INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-110 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 16 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

गेटवे से हटकर कर दिया 70 लाख का भुगतान

12 ग्राम पंचायतों के 10 सचिवों का कारनामा, दिए नोटिस

यूनिक समय, मथुरा। गेटवे से हटकर भुगतान करने में 12 ग्राम पंचायतों के 10 सचिव फंस गए हैं। 70 लाख रुपये से अधिक का भुगतान करने का मामला पकड़ में आने के बाद ऐसे सभी सचिवों को डीपीआरओ कार्यालय की ओर से नोटिस दिए गए। उत्तर नहीं मिलने पर विभाग ने सचिवों को परिनिंदा प्रविष्टि दी है। भविष्य में ऐसा न हो, इसके लिए चेतावनी भी दी गई है।

प्रधानों का कार्यकाल पूरा होने की आपाधापी और भुगतान की जल्दबाजी में10 सचिवों ने पंचायत सचिवालय के स्थान पर अपने हिसाब से भुगतान कर दिया। ई–ग्राम स्वराज पोर्टल पर गेटवे की व्यवस्था में यह भुगतान मैच नहीं कर रहे हैं। पंचायत सचिवों ने करीब 70 लाख रुपये से अधिक के यह भुगतान अप्रैल में किए, जो पंचायत राज निदेशालय स्तर पर पकड़ में आ गए।

सचिवों को परिनिंदा के तौर पर मिला दंड, दी गई चेतावनी

पंचायत राज विभाग के निदेशक की ओर से पूर्व में ग्राम पंचायतों द्वारा ग्राम सचिवालय में स्थापित कंप्यूटर के माध्यम से ई–ग्राम स्वराज पोर्टल पर कार्ययोजना अपलोड किया जाना और भुगतान आदि का कार्य पंचायत गेटवे पोर्टल के माध्यम से किये जाने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन कुछ सचिव ऐसा करने के बजाय अन्यत्र कहीं से भुगतान कर रहे हैं। जिले की एक दर्जन ग्राम पंचायतों में ऐसे प्रकरण आने के बाद डीपीआरओ कार्यालय की ओर से एक जून को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। 10 सचिवों से तीन दिन में ऐसा करने की वजह बताने को कहा गया, लेकिन किसी सचिव ने उत्तर नहीं दिया।

यहां किए गए गेटवे से बाहर भुगतान

जिले की एक दर्जन ग्राम पंचायतों में गेटवे से बाहर भुगतान किए गए। इस विभाग ने ग्राम पंचायत हरनौल, जानू, महरौली, मुडसेरस, शेरनी, ऊधर, बोरपा, डाहरौली, पचावर, अयेरा, नेरा बांगर और कमई के सचिवों को नोटिस दिए गए, लेकिन किसी ने पक्ष या स्पष्टीकरण नहीं दिया।

परिनिंदा प्रविष्टि का मिला दंड, चेतावनी

जिला पंचायत राज अधिकारी धनजंय जायसवाल ने बताया कि ई–ग्राम स्वराज पोर्टल और गेटवे का परीक्षण करने पर यह जानकारी मिली कि 10 सचिवों ने 12 ग्राम पंचायतों में राज्य और 15वां वित्त मद से माह अप्रैल 2026 में 7079974 रुपये का भुगतान ग्राम पंचायत सचिवालय के बाहर किसी अन्य स्थान से, गेटवे पोर्टल को लॉगिन किए बिना कर दिया है। ऐसे सभी सचिवों को परिनिंदा प्रविष्टि दी गई है। भविष्य में ऐसा न करने की चेतावनी दी है।

एकेटीयू का बड़ा कदम, रोजगार दावों पर लगेगी लगाम

734 इंजीनियरिंग कॉलेज एक ही प्लेसमेंट पोर्टल से जुड़े

यूनिक समय, लखनऊ। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने तकनीकी शिक्षा में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। विश्वविद्यालय जल्द ही एक केंद्रीय रोजगार मंच शुरू करने जा रहा है, जिससे संबद्ध सभी 734 इंजीनियरिंग कॉलेजों को जोड़ा जाएगा। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद कॉलेजों द्वारा किए जाने वाले रोजगार और वेतन पैकेज संबंधी दावों की वास्तविक स्थिति विद्यार्थियों और अभिभावकों के सामने स्पष्ट रूप से उपलब्ध होगी।

नए मंच पर प्रत्येक कॉलेज को अपने यहां हुए रोजगार, चयनित विद्यार्थियों की संख्या, नियुक्ति देने वाली कंपनियों, पदों और वेतन पैकेज से जुड़ी जानकारी नियमित रूप से दर्ज करनी होगी। इससे विद्यार्थियों को किसी भी संस्थान में प्रवेश लेने से पहले उसके वास्तविक रोजगार रिकॉर्ड की जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

अक्सर प्रवेश प्रक्रिया के दौरान कुछ संस्थान रोजगार को लेकर आकर्षक दावे करते हैं, जिससे विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए सही कॉलेज का चयन करना कठिन हो जाता है। केंद्रीय मंच शुरू होने के बाद ऐसे दावों की सत्यता आसानी से जांची जा सकेगी। इससे कॉलेजों की जवाबदेही बढ़ेगी और भ्रामक प्रचार पर रोक लगेगी।

विद्यार्थियों को मिलेगा वास्तविक रोजगार रिकॉर्ड

विश्वविद्यालय के अनुसार इस रोजगार मंच पर अब तक 81 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है, जबकि 36 कंपनियां भी इससे जुड़ चुकी हैं। इससे विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे और उद्योग जगत को योग्य अभ्यर्थी एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगे।

एकेटीयू के कुलपति प्रो. जे.पी. पांडेय ने कहा कि वर्तमान समय में केवल डिग्री देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। विश्वविद्यालय की यह पहल तकनीकी शिक्षा और रोजगार के बीच मजबूत सेतु का कार्य करेगी।

भूतेश्वर तिराहा पर महिला ने किया हाईवोल्टेज ड्रामा

यूनिक समय, मथुरा। भूतेश्वर तिराहा पर बीती रात एक महिला ने जमकर हंगामा किया। हंगामे के चलते कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। राहगीरों पर चप्पल लेकर हमला करने के लिए दौड़ती महिला और हंगामे का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से महिला को काबू किया।

बताया गया है कि बीती रात करीब दस बजे भूतेश्वर तिराहे पर अचानक राहगीरों में अफरा–तफरी मच गई। काफी संख्या में राहगीर वहां लोगों के पीछे चप्पल लेकर मारने के लिए दौड़ती महिला को देख कर रुक गए। कुछ लोगों ने महिला को

चप्पल लेकर राहगीरों को दौड़ाया, एक सवार की बाइक भी गिराई

काफी देर वाहनों के पहिए भी थमे, हंगामे का वीडियो वायरल

समझाने का प्रयास किया, इस पर महिला उन पर भी चप्पल लेकर मारने के लिए दौड़ पड़ी। महिला तिराहे पर काफी देरतक हंगामा करती रही। महिला वहां से गुजरते एक बाइक सवार पर भी चप्पल मारने के लिए दौड़ पड़ी। इससे युवक की बाइक गिर गई। महिला द्वारा किए गए हाईवोल्टेज ड्रामे को देख कर कुछ देर के लिए वाहनों की रफ्तार रुक गई। महिला द्वारा किए जा रहे ड्रामे का किसी राहगीर ने वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया। भूतेश्वर तिराहे पर होने वाले हंगामे की खबर लगने पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से किसी तरह महिला को कंट्रोल किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं लगती थी। गनीमत रही कि महिला द्वारा किए गए हंगामे के दौरान किसी को कोई चोट नहीं आई।

पारंपरिक डिग्रियों की वैल्यू घट रही

एआई के दौर में बदल रहा करियर का गणित

यूनिक समय, नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव ने रोजगार की दुनिया में बड़ा बदलाव शुरू कर दिया है। आईटी, अनुवाद, ग्राफिक डिजाइन, कानून, वाणिज्य और पुस्तकालय विज्ञान जैसे क्षेत्रों में पारंपरिक डिग्रियों की उपयोगिता तेजी से घट रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अब केवल डिग्री नहीं, बल्कि एआई टूल्स की समझ और व्यावहारिक कौशल ही करिअर की सफलता तय करेंगे।

एचआर–टेक कंपनी पीपुलस्ट्रॉन्ग के सह–संस्थापक पंकज बंसल के अनुसार, आज करीब 40 प्रतिशत कंपनियां भर्ती के दौरान डिग्री के साथ एआई स्किल्स को प्राथमिकता दे रही हैं। टीमलीज की 2024 रिपोर्ट बताती है कि देश के 82 प्रतिशत बीसीए और

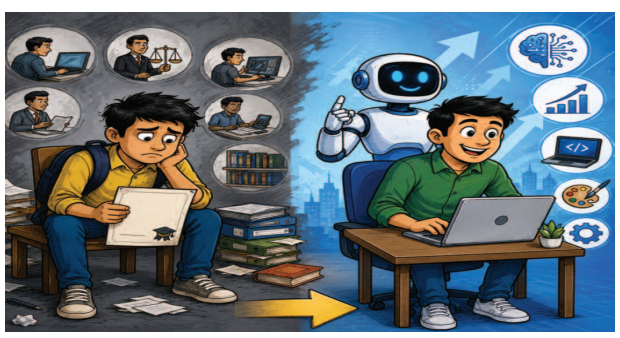

एमसीए स्नातकों को एआई टूल्स की औपचारिक ट्रेनिंग नहीं मिली है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की 'फ्यूचर ऑफ जॉब्स रिपोर्ट 2025' के मुताबिक, वर्ष 2030 तक दुनिया की 22 प्रतिशत नौकरियां एआई से प्रभावित हो सकती हैं। वहीं, आईबीएम इंस्टीट्यूट फॉर बिजनेस वैल्यू का कहना है कि एआई लोगों की जगह नहीं लेगा, बल्कि एआई का उपयोग करने वाले लोग दूसरों की जगह ले लेंगे।

अनुवाद क्षेत्र में डीपएल जैसे टूल्स सेकंडों में पूरा दस्तावेज अनुवाद कर रहे हैं, जिससे 2019 से 2024 के बीच अनुवादकों की नौकरियों में करीब 60 प्रतिशत तक कमी आई है। इसी तरह कई टूल्स कोडिंग का समय घंटों

स्किल और एआई ज्ञान बना नई जरूरत

से घटाकर सेकंडों में ला रहे हैं। ग्राफिक डिजाइन में बेसिक डिजाइनिंग कार्यों की मांग कम कर दी है, जबकि पुस्तकालयों में एआई आधारित कैटलॉग सिस्टम कर्मचारियों की संख्या घटा रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि पारंपरिक डिग्रियां पूरी तरह समाप्त नहीं होंगी, लेकिन उनका स्वरूप बदल जाएगा। छात्रों को पढ़ाई के साथ लाइव प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप और एआई टूल्स पर काम करना होगा। आने वाले वर्षों में केवल डिग्री नहीं, बल्कि समस्या समाधान की क्षमता और एआई की मदद से उत्पादकता बढ़ाने वाले पेशेवरों की मांग सबसे अधिक रहेगी।

टी-शर्ट और जींस में कार्यालय आ रहे कर्मचारी

पुराने सरकारी कर्मचारी निभा रहे कार्यालय परंपरा, नए मनमौजी

यूनिक समय, मथुरा। सरकारी कार्यालय में इन दिनों मर्जी का खेल चल रहा है। कार्यालय तो अस्त-व्यस्त दिखता है, जबकि कर्मचारी पहनावे के नाम पर लापरवाह ही दिख रहे है। पहनावे के मामले में केवल पुराने कर्मचारी ही सादगी का निर्वहन करते दिख रहे हैं, जबकि आउटसोर्सिंग और ठेका कर्मचारी तो कार्यालयों में जींस- टी शर्ट को अपनी पसंद बनाए बैठे हैं।

सोमवार को डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने अर्द्ध शासकीय पत्र जारी किया है, जिले से लेकर ब्लाक

आउटसोर्सिंग और ठेका कर्मचारी कर रहे हैं अपनी मर्जी

कार्यालय स्तर के अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यालय और परिसर को स्वच्छ- साफ और सुव्यवस्थित रखने के निर्देश एि हैं। अब जिलास्तरीय अधिकारी डीएम की इस पहल को प्रेरणा बनाने को जुटे हुए हैं। अधिकारियों ने डीएम के इस संदेश को अपने तरीके से मातहतों को समझाया और बेहतर कार्यालय बनाने को कहा। वहीं, यूनिक समय टीम ने मंगलवार को डीएम चंद्रप्रकाश सिंह के जारी किए गए पत्र के बाद कार्यालयों की हालत देखी तो ड्रेस कोड नजर नहीं आया। सीएमओ कार्यालय के कई नए बाबू टी शर्ट-जींस में दिखे, जबकि पुराने कर्मचारी शर्ट- पेंट में काम करते दिखे। राजीव भवन में भी कई आउटसोर्सिंग और ठेका कर्मचारी जींस- शर्ट में नजर आए, जबकि पुराने बाबू शर्ट- पेंट और जूतों में थे, नए कर्मचारी तो जूतों के बजाय सेंडल- स्लीपर में ही दिखे। इस दौरान एक अधिकारी अपने मातहतों को कार्यालय का बेहतर परिवेश बनाने को समझाते दिखे। कलेक्ट्रेट में भी कार्यालयों में ड्रेस कोड का अभाव दिखा, यहां भी नए बाबू तो अपनी स्टाइल में दिखे, जबकि पुराने बाबू कार्यालय वाले अंदाज में दिखे। कार्यालय तो एक-दो ही सही थे, जबकि अधिकांश में फाइलें अस्त-व्यस्त रखी दिखीं। टोकने पर विकास भवन के एक बाबू ने कहा कि डीएम साहब ने पहल की है, शनिवार से बदलाव की ओर चलेंगे।

मथुरा की विकास में लंबी उड़ान, आई आठवीं रैंक

समीक्षा बैठक में डीएम चंद्रप्रकाश सिंह और अन्य अधिकारी।

राजस्व रैंकिग में भी हो गया है 12 अंक का सुधार

सीएम डैश बोर्ड पर हुई जिले की बेहतर प्रगति

यूनिक समय, मथुरा। सीएम डैश बोर्ड पर इस बार मथुरा ने बेहतर उपलब्धि अर्जित की है। मई माह की रैंकिग में जिला ओवर आल 36 वें नंबर पर रहा है। विकास रैंकिग में लंबी छलांग मथुरा ने मारी है, इस बार की रैंक में मथुरा विकास में आठवें पायदान पर रहा है, जबकि राजस्व रैंक में भी सही काम हुआ है।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से जिलों में जनशिकायतों के निस्तारण, योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रशासनिक कार्यों की नियमित समीक्षा की जाती है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा संचालित डैशबोर्ड पर जिलों के विकास कार्यक्रमों और फ्लैगशिप योजनाओं के प्रदर्शन के आधार पर हर माह रैंकिंग तैयार की जाती है। मथुरा की माह मई से जुड़ी रैंकिग जून माह में जारी हुई है, जिसमें मथुरा की प्रगति बेहतर रही है। माह अप्रैल में जिला विकास में 29 वें स्थान पर रहा था, जबकि मई माह में शानदार काम की वजह से यह प्रदेश में टाप-10 में स्थान बनाकर आठवें नंबर पर आया है, जबकि राजस्व में भी सुधार हुआ है।

राजस्व में जिला बीते माह 68 वें नंबर पर था, जबकि मई की जारी रैंकिग में यह 56 वें स्थान पर रहा है। अप्रैल में जनपद की ओवरआल रैंक 62 थी, जबकि मई की ओवर आल रैंक 36 रही है।

शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि अहम: डीएम

यूनिक समय, मथुरा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा की, सीएम डैशबोर्ड पर आठवीं रैंक लाने की अधिकारियों को बधाई दी। कहा कि निर्माण कार्यों में तेजी लाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रतिदिन आईजीआरएस पोर्टल की मॉनिटरिंग करें। शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि अहम है। सभी अधिकारी प्रातः 10 से 12 बजे तक कार्यालय में उपस्थित रहकर जन-सुनवाई करें। बैठक में एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, सीएमओ डॉ. राधावल्लभ, एसडीएम सदर आदेश कुमार, गोवर्धन सुशील कुमार सिंह, छाता वैभव गुप्ता, महावन ऊषा सिंह, मांट दीपिका मेहर, उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह, डीडीओ गरिमा खरे, पीडी अरुण कुमार उपाध्याय, डीपीआरओ धनंजय जायसवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बादलों की आवाजाही के बीच धीरे-धीरे चढ़ेगा पारा

यूनिक समय, मथुरा। अभी मानसून का इंतजार रहेगा, लेकिन पश्चिमी विक्षोम के बीच अब पारा धीरे-धीरे उपर चढ़ेगा, यह 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। इसी बीच मौसम विभाग ने 20 जून को एक या दो बार बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। वैसे, आसमान पर छाए रहने वाले बादल जरूर राहत देते रहेंगे।

पिछले कुछ दिनों पहाड़ी राज्यों में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की वजह से प्रदेश के कई जगह बारिश हो रही है। मथुरा में दो दिन पहले ही अच्छी बारिश देखने को

पश्चिमी विक्षोभ का रहेगा असर, 20 जून को हो सकती है बारिश

मिली है। वर्षा के साथ ही बादलों की आवाजाही से सूरज के तेवरों में कमी आई है। नम हवा चलने से उमस से भी कुछ राहत मिली है। सोमवार से ऐसी ही स्थिति देखने को मिली। रात में तेज ठंडी हवा चलने से लोगें को राहत भी है।

मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र कुमार का कहना है कि मंगलवार को दिन का तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस रहा। उन्होंने बताया कि आसमान में बादल छाए रह सकते हैं, जिससे लोगों को राहत मिलेगी। 20 जून को एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। ऐसा पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की वजह से होगा। इस सप्ताह धीरे-धीरे तापमान में भी दो से तीन डिग्री का इजाफा हो सकता है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।

कल से मुहर्रम माह शुरू, निकलेगा अलमों का जुलूस

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार (कल) से मुहर्रम (गम) का माह शुरू हो रहा है। इस माह में कल से जुलूस और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुहर्रम कमेटी के महा सचिव अबरार वारसी ने बताया कि बुधवार की सायं अलमो का जुलूस डीग गेट से अफजाल बेग, मुखतार बेग के नेतृत्व में निकला जाएगा। अलमों को जुलूस के साथ अखाड़ा भी रहेगा। अखाड़े का नेतृत्व उस्तार हाजी सलीम फारूखी और खलीफा इरशाद बेग करेंगे। इसके साथ ही कुशक गली से गहवारा भी सलीम अहमद के निर्देशन में शहर में गश्त करेगा।

नशीला पाउडर रखने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने नशीला पाउडर एल्प्राजोलम रखने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस को पुलिस को उसके कब्जे से 66 ग्राम नशीला पाउडर मिला है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान अभियुक्त कुंवर साहब निसी काशीराम कॉलोनी को गंदी गली गौतमपाड़ा के समीप से गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान पुलिस को उसके कब्जे से 66 ग्राम नशीला पाउडर भी मिला है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

तापमान / मौसम

33 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

24 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,51,360
22 कैरेट 1,38,750
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,65,100 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

कदीर की मौत के बाद भड़का आक्रोश

कार्रवाई की मांग पर अड़े परिजन

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां के मोहल्ला निकासा स्थित 90 घर क्षेत्र में हुए विवाद में घायल 55 वर्षीय कदीर की उपचार के दौरान मौत हो जाने के बाद मंगलवार को क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही कदीर का शव उनके आवास पर पहुंचा, परिजनों और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्र होकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग उठाई।

परिजनों का आरोप था कि घटना के बाद पुलिस ने समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए, जिसके कारण स्थिति गंभीर होती चली गई। उन्होंने चौकी प्रभारी दुष्यंत कौशिक और उनके सहयोगी रिंकू कुमार के तत्काल तबादले की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।

आक्रोशित परिजन शव को लेकर थाने की ओर बढ़ने लगे। देखते ही देखते सैकड़ों स्थानीय लोग उनके समर्थन में जुट गए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस प्रशासन को अतिरिक्त बल तैनात करना पड़ा। क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके।

थाना प्रभारी कमलेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को शांत करने का प्रयास किया। उन्होंने निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन

चौकी प्रभारी के तबादले की मांग

आश्वासन के बाद शांत हुए परिजन

दिया, लेकिन परिजन अपनी मांगों पर अड़े रहे। इसके बाद क्षेत्राधिकारी छाता और उपजिलाधिकारी छाता भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से वार्ता कर उन्हें भरोसा दिलाया कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

काफी देर तक चली बातचीत और प्रशासनिक आश्वासनों के बाद परिजन शांत हुए तथा अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के लिए सहमत हो गए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

आयशर कैंटर चालक की हत्या करने वाले को उम्रकैद

पचास हजार का जुर्माना भी लगाया

हत्या कर शव दफना दिया था मकान में

यूनिक समय, मथुरा। अपर सत्र न्यायाधीश न्यायालय संख्या सात विद्या भूषण पांडेय ने ट्रांसपोर्ट से आयशर कैंटर को भाड़े पर ले जाकर चालक की हत्या कर गाड़ी को हड़पने के मामले में अभियुक्त को आजीवन कारावास और पचास हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

सहायक शासकीय अधिवक्ता बृजेश कुंतल ने बताया कि कोतवाली की हंसराज नगर(शांती कुंज) कॉलोनी निवासी बाबुद्दीन ने थाना हाईवे में रिपोर्ट दर्ज कराई कि नौ जनवरी 2009 को सायं करीब सात बजे सैनिक ट्रांसपोर्ट पर बैठा हुआ था। उस समय वहां निक्की उर्फ चेतन गर्ग और अर्पित गर्ग निवासी कच्ची मंडी (शेखान) कोसीकलां एक अन्य युवक के साथ आए। आयशर कैंटर को 3500 रुपये भाड़े पर कोसी से मथुरा के लिए लिया। गाड़ी को चंद्रलोक कॉलोनी थाना कोतवाली निवासी रामबीर चला रहा था। गाड़ी को ले जाने के बाद जब चालक और गाड़ी वापस नहीं आई तो परेशान होकर थाने में इन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई गई। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद छानबीन की तो चार दिन बाद पता लगा की इन लोगों ने चालक की अजीजपुर में किराए के मकान में गला घोंट कर हत्या करने के बाद शव को वहीं गाढ़ दिया है। पुलिस ने शव को बरामद करने के बाद अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित कर दिया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश न्यायालय संख्या सात विद्या भूषण पांडेय के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त अर्पित गर्ग को उक्त सजा से दंडित किया।

ट्रक ने कार को मारी टक्कर पिता-पुत्र की मौत

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां के राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर मंगलवार तड़के कोटवन के समीप कार को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में कार सवार पिता- पुत्र की मौत हो गई, जबकि पत्नी, बेटे सहित तीन लोग घायल हो गए। घायलों का कोसीकलां के हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

जसवंत नगर, इटावा के रहने वाले रमाशंकर (55) अपने परिवार के साथ जसवंत नगर में होने वाले सगाई समारोह से भाग लेकर गुरूग्राम, हरियाणा के लिए कार से लौट रहे थे। कार में उनके साथ बेटा अमन (18), पत्नी शकुंतला और दूसरा बेटा अभिषेक के साथ पप्पू भी था। बताया गया कि आज प्रातः करीब छह बजे दिल्ली–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर कोटवन के समीप सुखसागर ढाबे के निकट कार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरादार टक्कर मार दी।

दुर्घटना होते ही लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त कार में फंसे घायलों को निकालने का प्रयास किया।

हाईवे पर कोटवन के समीप मंगलवार को हुआ हादसा

पत्नी, बेटे सहित तीन घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती

पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से घायल को काफी मशक्कत से बाहर निकला।

बताया गया उस समय तक कार सवार रमाशंकर और उनके बेटे अमन की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने घायल उनकी पत्नी, बेटे और पप्पू को एम्बुलेंस से हॉस्पिटल ले जाकर भर्ती कराया। पुलिस ने पिता- पुत्र के शवों का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक रमाशंकर के रिश्तेदारों को भी पुलिस ने इस घटना के बारे में सूचना दे दी है।

महिला की चेन तोड़ने वाले को पांच साल की कैद

यूनिक समय, मथुरा। एसीजेएम द्वितीय ने महिला के गले चेन तोड़ने के मामले में अभियुक्त को पांच साल की कैद और पांच हजार रुपये के आर्थिक दंड से दंडित किया है।

अभियोजन के अनुसार, थाना रिफाइनरी क्षेत्र में एक महिला के गले से 2020 में चेन तोड़ कर भागने के मामले में पुलिस ने अभियुक्त कालू उर्फ जयवीर निवासी टीकरी गूजर थाना चांदह जिला पलवल हरियाणा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था।

कोर्ट ने लगाया पांच हजार रुपये अर्थदंड भी

पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एसीजेएम द्वितीय के अदालत में हुई। एसीजेएम ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को दोषी मानते हुए पांच साल की कैद और पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

बच्ची से दुराचार करने वाला युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत पुलिस ने बच्ची से दुष्कर्म करने के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार। पुलिस के अनुसार, सात साल की बच्ची के साथ उसके मामा के पुत्र राहुल ने दुराचार किया था। इस मामले में उसके खिलाफ थाना जैंत में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने राहुल निवासी गोधौलीपुरम थाना जैंत को चेकिंग के दौरान छटीकरा पुल के समीप आगरा-दिल्ली जाने वाले नेशनल हाईवे के समीप से गिरफ्तार किया है।

निकासा में माहौल तनावपूर्ण सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस तैनात

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां के निकासा नब्बे घर इलाके में कल दो पक्षों में लेनदेन को लेकर हुए झगड़े (वबाल) में एक वृद्ध की मौत होने और एक दर्जन लोगों के घायल होने के मामले में अब तनाव पूर्ण शांति है। पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए अभियुक्त घरों से भागे हुए हैं।

गौरतलब है कि कल दोपहर को मोहल्ला निकासा के नब्बे घर वाले इलाके में रहने वाले राशिद के घर में लड़के की शादी का समारोह चल रहा था। उसके चचेरे भाई सईम की बारात की तैयारी की जा रही थी। तभी नईम पक्ष के लोगों ने वहां आकर राशिद पैसे के लेनदेन को लेकर हंगामा खड़ा कर दिया। कहासुनी बाद जमकर लाठी-

अभियुक्तों की गिरफ्तारी को दबिश

डंडे और ईट- पत्थर और कांच की बोतलें चलाई गई। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। लोग अपने घरों में कैदा हो गए। झगड़े में गंभीर घायल हुए रशीद के चाचा कादिर की अस्पताल में मौत हो गई। इसके बाद इलाके में पुलिस तैनात कर दी गई। पुलिस की मौजूदगी के बवजूद इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इंस्पेक्टर राजकमल ने बताया कि अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही हैं। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, शीघ्र ही अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जाएगा।

शस्त्र लाइसेंस के लिए फर्जीवाड़ा तीन लोगों पर मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। शस्त्र लाइसेंस लेने के लिए आरआई द्वारा जारी किए जाने वाले फायरिंग प्रशिक्षण प्रमाण पत्र का फर्जी प्रमाणपत्र लगाकर शस्त्र लाइसेंस प्राप्त करने के प्रयास में जैत और मगोर्रा थाने में दो सगे भाइयों समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। फिलहाल पुलिस मामले में जांच कर रही है।

थाना मगोर्रा की चौकी पाली डूंगरा के प्रभारी अंकित कुमार ने बताया कि

आरआई की जांच में तीन प्रमाण पत्र मिले कूट रचित

धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

रामनगर (रामपुर) निवासी योगेंद्र कुमार ने वारिसान शस्त्र लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। प्राथमिक जांच के बाद फाइल को अग्रसारित कर दिया गया, लेकिन एसएसपी कार्यालय के निर्देश पर जब आरआई द्वारा फाइल में लगाए गए फायरिंग प्रशिक्षण प्रमाण पत्र की जांच की गई, तो वह पूरी तरह कूट रचित (फर्जी) पाया गया। बताया गया कि पुलिस लाइन से फायरिंग प्रशिक्षण प्रमाण पत्र स्वयं हस्तलेख में भरकर दिए जाते हैं, जबकि आरोपी का प्रमाण पत्र टाइप किया हुआ था। इसी से फर्जी होने का खेल पकड़ में आ गया। इसी तरह जैत थाना क्षेत्र के नगला बहादुर उर्फ कीकी का नगला निवासी अरुण कुशवाह और योगेश कुशवाह ने भी फायरिंग प्रशिक्षण के फर्जी प्रमाण पत्र के माध्यम से नए शस्त्र लाइसेंस के लिए स्वीकृति प्राप्त करने का प्रयास किया गया है। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि आरआई द्वारा की गई जांच रिपोर्ट में शस्त्र लाइसेंस लेने के लिए किए गए फर्जीवाड़े और धोखाधड़ी की पुष्टि होने के पश्चात आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

आपकी आवाज बनेगा हमारा अभियान

जनहित से जुड़े मुद्दों को उजागर करने और आम जनता की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए हम आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में किसी भी विभाग से संबंधित कोई समस्या, अव्यवस्था, लापरवाही, भ्रष्टाचार, गंदगी, टूटी सड़क, जलभराव, बिजली–पानी की समस्या अथवा अन्य कोई जनहित का मामला है, तो उसकी जानकारी हमें भेजें। समस्या से संबंधित स्पष्ट फोटो या वीडियो के साथ संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराएं। आपकी ओर से प्राप्त जानकारी को प्रमुखता से प्रकाशित कर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समस्या के समाधान में मदद मिल सके।

आपकी जागरूकता, समाज के विकास की ताकत है।

–संपादक

टेलीफोन : 0565–3550761 **मोबाइल : 8394983366**

खाद्य विभाग ने जब्त किया 1155 किलो मिर्च का अचार

मिर्च के अचार को चेक करते खाद्य सुरक्षा के अधिकारी।

यूनक समय, मथुरा। लागा का शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को कार्रवाई की गई। विभाग की टीम ने कोसी–कोटवन इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फैक्ट्री से करीब 1155 किलो हरी मिर्च का अचार जब्त किया।

सहायक आयुक्त खाद्य धीरेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने ट्रोम्स इंडस्ट्रीज का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि अचार अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा गया था। इस पर टीम ने हरी मिर्च के अचार का नमूना लेकर जांच के

अस्वच्छ तरीके से रखा गया था अचार, जांच के लिए भेजे गए नमूने

लिए भेज दिया और लगभग 1155 किलो अचार को जब्त कर फैक्ट्री संचालक की निगरानी में रखवा दिया। इसके अलावा टीम ने गोवर्धन क्षेत्र से सोया सॉस का नमूना भी लिया। दोनों नमूनों को जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह, अरुण कुमार राणा, राम नरेश और मोहर सिंह भी शामिल रहे।

आपरेशन के बाद बिना व्हीलचेयर चली वृद्ध महिला

यूनिक समय, मथुरा। शहर के मां सरस्वती हॉस्पिटल में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. अंकित अग्रवाल और उनकी टीम ने एक 68 वर्षीय महिला मरीज के घुटने का सफल टोटल नी रिप्लेसमेंट (टीकेआर) ऑपरेशन कर व्हीलचेयर के बिना चलने तक का सफर तय कराया है।

चिकित्सक के अनुसार, लंबे समय से घुटने के असहनीय दर्द के कारण व्हीलचेयर पर निर्भर हो चुकीं बुजुर्ग महिला के घुटने पूरी तरह घिस चुके थे, जिसके बाद अत्याधुनिक तकनीकों की मदद से यह जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। इस सफल चिकित्सा प्रक्रिया और बेहतरीन टीम

मां सरस्वती हॉस्पिटल में हुआ आपरेशन, सर्जरी के बाद मिला लाभ

वर्क में सचिन, राधा वल्लभ, उमंग, रितु, गौरी, योगेश और सौरभ सहित अस्पताल स्टाफ का विशेष योगदान रहा। ऑपरेशन के बाद मरीज अब बिना किसी सहारे के अपने पैरों पर चलने में पूरी तरह सक्षम हैं, जिस पर महिला और उनके परिजनों ने आभार व्यक्त किया है। इस सफलता पर डॉ. अंकित अग्रवाल ने कहा कि हमारा संकल्प ही फिर से अपने पैरों पर खड़ा करना और एक दर्दमुक्त जीवन देना है।

पूर्व से समस्याओं को सामने लाएं पूर्व सैनिक

सैनिक बंधु की बैठक को संबोधित करते हुए एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य और अन्य पदाधिकारी गण।

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिला सैनिक बंधु की बैठक हुई। एडीएम न्यायिक की अध्यक्षता में हुई बैठक में पूर्व में प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर हुई आज तक की कार्रवाई से पूर्व सैनिकों को अवगत कराया गया।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल एके सिंह ने मौजूद पूर्व सैनिकों से कहा कि वह अपने प्रार्थना पत्र ब्लॉक सैनिक बंधु के माध्यम से लगभग तीन- चार दिन मीटिंग पूर्व तक जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में जमा कर दे, ताकि समय पर उचित कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किए जा सके।

सैनिक बंधु कैप्टन जवाहरलाल ने जनपद के सभी ब्लॉक सैनिक बंधुओ से क्षेत्र के पूर्व सैनिक-वीर नारी और आश्रितों से संपर्क कर उनकी समस्याओं से जागरूक रहने का आग्रह किया। बैठक में तेज सिंह, रचना वरिष्ठ लिपिक, उदयभान सिंह, हरिओम तिवारी, कैप्टन जवाहरलाल, वीएस पांडव, आरबीएस यादव, सतबीर, प्रेम सिंह और अन्य पूर्व सैनिक शामिल हुए।

अधिक मास में बेरोजगारों को खूब मिला रोजगार

यूनिक समय, वृंदावन। अधिक मास आया और चला गया, लेकिन यह बेरोजगारों को एक महीने तक खूब रोजगार दे गया। यह निष्कर्ष निकला ई रिक्शा चलाने वाले युवकों से जानकारी में। ई- रिक्शा चलाने को कोई एमपी से, कोई छत्तीसगढ़ से और कोई बिहार से आया था। मतलब साफ था कि कई राज्यों से बेरोजगारों ने यहां डेरा डाल लिया और ई रिक्शा किराए पर लेकर श्रद्धालुओं को इधर से उधर पहुंचाया। एक माह के दौरान को अच्छी खासी आमदनी हुई। अब उनको इंतजार है कि गुरु पूर्णिमा मेला के साथ सावन–भादों। मेला में भी करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु बृज यात्रा पर आएंगे। वह पहले गिरिराज महाराज गोवर्धन की परिक्रमा लगाएंगे और फिर वृंदावन समेत अन्य स्थानों पर गुरु स्थानों पर जाएंगे। आरोप है कि मेला के दौरान इन वाहनों को चलाने वालों ने किराया इतना अधिक बढ़ा दिया, कि यात्री परेशान नजर आए। हैरानी की बात यह रही कि किसी भी पुलिस अधिकारी ने कार्रवाई करने की जहमत तक नही उठाई। इस तरह से रेस्टोरेंट चलाने वालों के यहां भी खाना खाने वालों की भीड़ दिखाई दी। इन रेस्टोरेंटों पर सभी तरह की कीमतों पर खाना उपलब्ध था। हालांकि कई क्षेत्रों में श्रद्धालुओं के लिए खाना फ्री में भी उपलब्ध था। उधर, इन ई-रिक्शा और आटो संचालन से लगने वाले जाम की समस्या को लेकर आंदोलन करने वाले वृंदावन सीनियर सिटीजन के सदस्य भी मानते हैं कि वृंदावन में काफी अधिक संख्या में ई-रिक्शा और आटो चल रहे हैं। इनके कारण जाम की समस्या दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है। अब इस समस्या के निदान को लेकर चल रहे आंदोलन में और लोग भी शामिल होते जा रहे हैं।

आगरा में 250 साल पुरानी मजार सड़क से हटाई गई

यूनिक समय, आगरा। शहर के एमजी रोड स्थित आगरा कॉलेज के सामने सड़क के बीच बनी करीब 250 वर्ष पुरानी मजार को मंगलवार को प्रशासन ने हटाकर पास के दरगाह परिसर में स्थानांतरित कर दिया। लंबे समय से यातायात बाधित होने और सड़क दुर्घटनाओं की शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई। प्रशासन की निगरानी में पूरी प्रक्रिया करीब आधे घंटे में पूरी कर ली गई।

कार्रवाई के दौरान सड़क के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर यातायात रोक दिया गया। बुलडोजर की मदद से मजार के

प्रशासन ने दरगाह परिसर में कराया स्थानांतरण

आसपास की सड़क की खुदाई की गई और फिर मजार के मुख्य पत्थर को सावधानीपूर्वक निकालकर लगभग 60 से 70 फीट दूर स्थित दरगाह परिसर में स्थापित किया गया। मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए चार थानों की पुलिस फोर्स तैनात रही।

इस मजार को लेकर पिछले कई महीनों से विवाद चल रहा था। जनवरी 2026 में सड़क के बीच स्थित मजारों को हटाने की मांग को लेकर अदालत में जनहित याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि मजार के कारण अक्सर ट्रैफिक जाम लगता है और सड़क हादसों की आशंका बनी रहती है। मामले की जांच के लिए प्रशासन ने तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। जांच में पाया गया कि एक मजार यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रही है, जबकि दूसरी मजार से कोई विशेष समस्या नहीं थी। इसके बाद प्रशासन ने मजार समिति, जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की। सभी पक्षों की सहमति बनने के बाद मजार को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया।

इतिहासकारों के अनुसार यह मजार मुगल काल की मानी जाती है और स्थानीय मान्यताओं के अनुसार इसका संबंध औरंगजेब के समय से जुड़ा बताया जाता है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि यातायात व्यवस्था और जनहित को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। वहीं कुछ स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने कार्रवाई पर आपत्ति भी दर्ज कराई है।

पुरुषोत्तम मास में हुआ दीपदान और नौका विहार

यमुना महारानी की आरती करते संस्था ब्रज सेवा फाउंडेशन के लोग।

यूनिक समय,मथुरा। पुरुषोत्तम मास के समापन पर ब्रज सेवा फाउंडेशन ने स्वामी घाट पर दीपदान और नौका विहार कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में यमुना महारानी की पूजा- अर्चना कर आरती की गई। शुभारंभ यमुना घाट पर विद्वान आचार्य मोहित दुबे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं को दीपदान का संकल्प कराया। श्रद्धालुओं के भजन–कीर्तन और भगवान श्रीहरि, यमुना महारानी की आरती से यमुना घाट गूज उठा।

कार्यक्रम संयोजक दिलीप, दीपा अग्रवाल ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में ऐसे धार्मिक- सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में आध्यात्मिक जागरण और सनातन संस्कृति के संरक्षण का माध्यम बनते हैं। इस मौके पर आशीष, किशोरी, अनूप, अनिशा, अभय, प्रीति, विकास, श्वेता, राहुल, रश्मि, योगिता, नीरज, सौरभ, चंद्रशेखर,भावना, सचिन, वंदना, मनोज, नूपुर, अमित, नितिन, शालू, विपुल, गुंजन, गौरव,चंचल, अभिषेक, नम्रता आदि भक्तगण मौजूद रहे।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

उच्च प्राथमिक विद्यालय धौलीध्याऊ में बच्चों के साथ बीएसए रतन कीर्ति और स्टाफ।

प्राथमिक विद्यालय गौसना में प्रधानाध्यापक गोवर्धनदास गुप्ता बच्चों को चॉकलेट देते हुए

परिषदीय स्कूलों में लौटी चहल-पहल, बच्चों का स्वागत

प्राथमिक विद्यालय औरंगाबाद में बच्चों के साथ प्रधानाध्यापिका ममता शर्मा।

प्राथमिक विद्यालय चौमुहाँ प्रथम में दुपट्टा डालकर छात्राओं का स्वागत करते शिक्षक।

नए सत्र के पहले दिन तिलक, चॉकलेट, नोटबुक और पेंसिल देकर बढ़ाया बच्चों का उत्साह

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को जिले के परिषदीय विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत उत्साह और खुशी के माहौल में हुई। गर्मी अवकाश के बाद स्कूल खुलते ही पहले दिन बच्चों के स्वागत किए गए। कहीं तिलक लगाया गया तो कहीं चॉकलेट, पुष्प, नोटबुक और पेंसिल देकर अभिनंदन किया गया।

पहले दिन विद्यालयों में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। स्कूल और उनके आस पास क्षेत्रों की रोनक बढ़ गई तो दुकानदारों के चेहरों पर मुस्कान आने लगी। उच्च प्राथमिक विद्यालय धौलीप्याऊ में आयोजित कार्यक्रम में बीएसए रतन कीर्ति ने नवप्रवेशी बच्चों को नोटबुक और पेंसिल देकर उनका स्वागत किया। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। शिक्षकों से कहा कि विद्यालयों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए और शासन के निर्देशों का पालन किया जाए। उन्होंने विद्यालयों की दीवारों पर आवश्यक मोबाइल नंबर लिखवाने के भी निर्देश दिए। प्राथमिक विद्यालय गौसना में प्रधानाध्यापक गोवर्धन दास गुप्ता ने बताया कि विद्यालय खुलने से पहले अभिभावकों से फोन पर संपर्क कर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया गया। स्कूल पहुंचने पर बच्चों का तिलक लगाकर, पुष्प और चॉकलेट देकर स्वागत किया गया।

प्राथमिक विद्यालय औरंगाबाद में प्रधानाध्यापिका ममता शर्मा और विद्यालय स्टाफ ने बच्चों को फोन कर स्कूल बुलाया। विद्यालय आने पर उनका स्वागत किया गया। ममता शर्मा ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में बच्चों को अच्छी शिक्षा देने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे आगे चलकर अपने परिवार और समाज का नाम रोशन कर सकें। वहीं प्राथमिक विद्यालय चौमुहाँ प्रथम में भी छात्र-छात्राओं का स्वागत किया गया। विद्यालय स्टाफ ने बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य के महत्व बताया और योगाभ्यास कराया। बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ गतिविधियों में भाग लिया।

जिले के सभी स्कूलों और शिक्षा कार्यालयों की होगी जांच

यूनिक समय, मथुरा। जिले के सभी परिषदीय स्कूलों, बीआरसी और यूआरसी कार्यालयों की अब बारीकी से जांच होगी। डीएम के निर्देश पर विद्यालयों और शिक्षा विभाग के कार्यालयों में स्वच्छता, व्यवस्था और कार्यशैली को परखा जाएगा। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि निरीक्षण केवल औपचारिकता न रहे, बल्कि हर व्यवस्था की गंभीरता से जांच की जानी चाहिए। निरीक्षण के दौरान स्कूल और कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, कक्षों की व्यवस्था, फाइलों और अभिलेखों का रख-रखाव, बिजली व्यवस्था, शौचालयों की स्थिति, पेयजल सुविधा, पौधारोपण और कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की जाएगी। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि कहीं परिसर में कूड़ा, जाले, सीलन, रिसाव या अन्य अव्यवस्था तो नहीं है।

स्वच्छता, व्यवस्था और अनुशासन पर रहेगा खास फोकस

डीएम सीपी सिंह ने निर्देश दिए हैं कि निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक बिंदु का मूल्यांकन किया जाए और अंक देकर रिपोर्ट तैयार की जाए। जिन विद्यालयों या कार्यालयों में कमियां मिलेंगी, उन्हें तत्काल सुधार के निर्देश दिए जाएंगे। बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति को सभी विद्यालयों और बीआरसी-यूआरसी कार्यालयों का शत-प्रतिशत निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट, फोटोग्राफ और सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने साफ किया है कि निरीक्षण में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग के नए सहायक आयुक्त होंगे जतिन

सहायक आयुक्त खाद्य जतिन कुमार

यूनिक समय, मथुरा। खाद्य सुरक्षा विभाग के नए सहायक आयुक्त जतिन कुमार सिंह होंगे। जालौन में तैनात सहायक आयुक्त जल्द यहां आकर कार्यभार ग्रहण करेंगे। यहां तैनात सहायक आयुक्त द्वितीय धीरेन्द्र प्रताप सिंह को चंदौली भेजा गया है। शासन ने एक दर्जन से अधिक सहायक आयुक्तों को इधर-उधर किया है। इससे विभागीय अधिकारियों में खलबली मची हुई है। औषधि निरीक्षकों के स्थानातंरण भी संभव हैं। जल्द स्थानातंरण सूची जारी होने की संभावना है।

फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस ने गोवर्धन चौराहे के समीप से जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने वाले हंसराज कॉलोनी निवासी शौर्य उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया है।

परिक्रमार्थियों को समर्पित भजन संध्या का आयोजन

गोवर्धन में आयोजित कार्यक्रम में मेयर विनोद अग्रवाल, पूर्व विधायक कारिंदा सिंह और आयोजक।

यूनिक समय, मथुरा। श्री गिरिराजजी के आशीर्वाद और स्व. अशोक गोयल बेरीवाल की कृपा से कृष्णकांत गोयल बेरीवाल और समस्त बेरीवाल परिवार ने सम्पूर्ण पुरुषोत्तम मास के दौरान गोवर्धन आने वाले परिक्रमार्थियों और तीर्थयात्रियों की निरंतर सेवा की गई। इस अवधि में श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी, शीतल पेयजल और अन्य शीतल पदार्थ वितरित किए गए। पुरुषोत्तम मास के समापन और सोमवती अमावस्या पर स्व. अशोक गोयल बेरीवाल की स्मृति में श्री गिरिराज धाम गोवर्धन में भंडारे - भजन संध्या का आयोजन किया गया।

परिक्रमार्थियों और तीर्थयात्रियों को प्रसादी वितरित की गई, भक्ति रस से सराबोर भजनों का आयोजन हुआ। भजन संध्या का संचालन आशु शर्मा ने किया। शुभारंभ मथुरा-वृंदावन नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल, गोवर्धन के पूर्व विधायक कारिंदा सिंह ने किया। कार्यक्रम में अंकुर अग्रवाल, जयंती प्रसाद अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, सुजान सिंह, एमबीडीए के सचिव आशीष कुमार सिंह, अनिल कौशिक, शिवराम शर्मा, विजय माहेश्वरी, चरण दयाल, मुकेश खंडेलवाल, अंकित बंसल, अतुल अग्रवाल, प्रतुल गंगल, सुरेश लोहे वाले, अनिल अग्रवाल, विनीत मिश्रा, प्रशांत, आदित्य शुक्ला, शांतनु, दयाल, योगेंद्र शर्मा, राजन यादव, पवन गौतम, अनुप शर्मा, बनवारी लाल, जगत नारायण अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु- गणमान्य लोग मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं ने नियमित योगाभ्यास का लिया संकल्प

योग सप्ताह का शुभारंभ करते चेयरमैन और नोडल अधिकारी मनोज अग्रवाल, साथ हैं सीईओ अरुण अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल।

केडी मेडिकल कॉलेज में भाषण, नाटक, पोस्टर, रंगोली, स्लोगन और योगासन से दिया निरोगी रहने का संदेश

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा-शिक्षा संस्थान केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए योग सप्ताह का शुभारंभ संस्थान के चेयरमैन और जिला प्रशासन से नोडल अधिकारी नियुक्त मनोज अग्रवाल ने किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को योग की महत्ता बताई। योग सप्ताह के दूसरे दिन मेडिकल छात्र-छात्राओं ने नाटक, पोस्टर, रंगोली, स्लोगन आदि के माध्यम से योग की महत्ता समझाई।

चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने मेडिकल छात्र-छात्राओं को तन-मन से स्वस्थ रहने के लिए नियमित योग करने की सलाह देते हुए कहा कि योग मनुष्य को तन-मन से स्वस्थ रखने का सबसे अच्छा माध्यम है। कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने छात्र-छात्राओं को बताया कि भारतीय प्राचीन योग परंपरा आज दुनिया भर में स्वीकार्य है। सही मायने में कहें तो वर्ष 2015 से शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अब दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य अभियानों में से एक बन चुका है।

कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने कहा कि साल 2026 का योग दिवस कई मायनों में खास है। बदलती जीवनशैली, बढ़ती उम्र के साथ होने वाली स्वास्थ्य समस्याएं और मानसिक तनाव जैसी चुनौतियों के बीच इस बार की थीम लोगों को स्वस्थ और सक्रिय जीवन की दिशा में प्रेरित करने का संदेश देती है। योग सप्ताह के दूसरे दिन केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका ने भाषण, नाटक, पोस्टर, रंगोली, स्लोगन और योगासन प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले छात्र-छात्राओं और उपस्थित लोगों को बताया कि योग में शारीरिक शक्ति, मानसिक लचीलापन और आध्यात्मिक संतुलन को पोषित करने की क्षमता होती है, लिहाजा हमें योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

विश्वविद्यालय की स्पोर्ट्स और सांस्कृतिक कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उप प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर, डॉ. वीपी पांडेय आदि ने भी योग की खूबियां बताईं। स्पोर्ट्स और कल्चरल कमेटी की चेयरपरसन डॉ. अमनजोत कौर चौहान और को-चेयरपरसन डॉ. राहुल गोयल ने अतिथियों का स्वागत किया।

मेडिकल छात्र-छात्राओं ने पोस्टर, रंगोली, स्लोगन आदि के माध्यम से योग की खूबियों और आवश्यकता को जिस तरह से समझाया उसकी निर्णायकों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा कर विजेता तथा उपविजेता छात्र-छात्राओं की घोषणा की। अतिथियों ने उन्हें प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर डॉ. सोनम बिलावारिया, डॉ. सुनील सहित बड़ी संख्या में संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। सुरीर पुलिस ने भी दुष्कर्म के मुकदमे में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, रिंकू कुमार निवासी ग्राम लोहई थाना सुरीर एक दुष्कर्म के मुकदमे में काफी समय से वांछित चल रहा था। पुलिस ने उसे बदनपुर मोड़ के समीप से गिरफ्तार किया है।

खांसी की दवा पर लगा ब्रेक, अब पर्ची जरूरी

बच्चों की मौत के बाद सरकार सख्त अब पर्चे पर मिलेगा कफ सिरप

यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में कफ सिरप की बिक्री को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने नई अधिसूचना जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि अब कफ सिरप समेत विभिन्ना प्रकार के सिरप बिना डॉक्टर के पर्चे के नहीं बेचे जा सकेंगे।

सरकार का यह कदम दवाओं के दुरुपयोग को रोकने और मरीजों, खासकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। मंत्रालय द्वारा जारी संशोधित नियमों के अनुसार, अब मेडिकल स्टोर पर कफ सिरप खरीदने के लिए डॉक्टर

दवा फैक्ट्रियों पर भी रहेगी नजर

का प्रिस्क्रिप्शन दिखाना अनिवार्य होगा। बिना वैध पर्चे के इन दवाओं की बिक्री करने वाले दवा विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर उनका लाइसेंस तक रद्द किया जा सकता है। सरकार ने यह बदलाव ड्रग्स (पांचवां संशोधन) नियम, 2026 के तहत किया है। इसके अंतर्गत अनुसूची में शामिल कुछ दवाओं से जुड़े प्रावधानों में संशोधन किया गया है और "सिरप" शब्द को सूची से हटाया गया है। इसके बाद सिरप की बिक्री पर पहले की तुलना में अधिक निगरानी रखी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि बाजार में ओवर-द-काउंटर दवाओं के रूप में कफ सिरप के बढ़ते उपयोग और दुरुपयोग को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। कई मामलों में बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहा था।

हाल ही में मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत के मामले सामने आए थे। इन घटनाओं के बाद केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की और दवा निर्माण एवं बिक्री व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों को निर्देश दिए कि दवा निर्माण इकाइयों और मेडिकल स्टोरों की सख्ती से जांच की जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त न की जाए।

सरकार ने संकेत दिए हैं कि आने वाले समय में इस नियम की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। साथ ही देशभर की दवा फैक्ट्रियों का निरीक्षण कर गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम दवाओं के सुरक्षित उपयोग और जनस्वास्थ्य की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

घर का खाना है फिटनेस का राज

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय अपनी फिटनेस और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। हालांकि, उनका कहना है कि फिट रहने के लिए वह किसी सख्त डाइट या फैंसी फिटनेस प्लान का सहारा नहीं लेतीं। मौनी का फिटनेस मंत्र बेहद आसान है-घर का बना पौष्टिक भोजन और भरपूर पानी।मौनी के अनुसार, दाल, चावल, हरी सब्जियां, अंडे और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ शरीर को जरूरी ऊर्जा और पोषण देते हैं। वह मानती हैं कि फिटनेस का मतलब भूखा रहना नहीं, बल्कि संतुलित भोजन करना है।अपनी खूबसूरती का श्रेय वह अपने बंगाली खानपान को भी देती हैं। मछली उनके भोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे शरीर को प्रोटीन और ओमेगा-3 फैटी एसिड मिलता है। इसके अलावा, पर्याप्त पानी पीना और त्वचा को हाइड्रेट रखना उनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा है। मौनी का मानना है कि अच्छी सेहत, संतुलित खानपान और आत्मविश्वास ही असली खूबसूरती की पहचान हैं।

महाराष्ट्रीयन अंदाज में बनाएं भिंडी की खास सब्जी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भंडी की सब्जी लगभग हर घर में बनाई जाती है, लेकिन अगर आप इसके स्वाद में नया ट्विस्ट लाना चाहते हैं तो महाराष्ट्रीयन स्टाइल मूंगफली भिंडी की सब्जी जरूर ट्राई करें। मूंगफली, सूखे नारियल और मसालों से तैयार यह रेसिपी स्वाद में बेहद लाजवाब होती है। एक बार इसे खाने के बाद घरवाले बार-बार बनाने की फरमाइश करेंगे। इस खास सब्जी को बनाने के लिए सबसे पहले मूंगफली को हल्का भून लें। इसके बाद इसमें सूखा नारियल, लहसुन, अदरक, हरी मिर्च, करी पत्ता, जीरा और सौंफ मिलाकर दरदरा मसाला तैयार कर लें। दूसरी ओर भिंडी को अच्छी तरह धोकर कपड़े से सुखा लें और छोटे टुकड़ों में काट लें। भिंडी को पूरी तरह सुखाना जरूरी है, ताकि पकाते समय वह चिपचिपी न हो। अब कड़ाही में तेल गर्म करें और तैयार मूंगफली मसाले को नमक, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर के साथ 2-3 मिनट तक भून लें। मसाला पकने के बाद इसे अलग निकाल लें। उसी कड़ाही में थोड़ा तेल डालकर भिंडी को नमक और हल्दी के साथ तेज आंच पर हल्का भूनें। फिर ढक्कन लगाकर धीमी आंच पर पकाएं। जब भिंडी लगभग पक जाए तो उसमें नींबू का रस डालें। इससे भिंडी का चिपचिपापन कम हो जाता है। अब तैयार मूंगफली मसाला डालकर धीरे-धीरे मिलाएं और कुछ मिनट पकाने के बाद गैस बंद कर दें। स्वादिष्ट महाराष्ट्रीयन स्टाइल मूंगफली भिंडी की सब्जी तैयार है। इसे रोटी, पराठा या दाल-चावल के साथ परोसें और इसके अनोखे स्वाद का आनंद लें।

सिर्फ तनाव नहीं, ये पोषक तत्व भी उड़ा रहे बाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। आजकल बालों का झड़ना, कमजोर होना और समय से पहले सफेद होना आम समस्या बनती जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसके पीछे केवल प्रदूषण या खराब लाइफस्टाइल ही नहीं, बल्कि शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी बड़ी वजह हो सकती है। बालों की अच्छी सेहत के लिए ओमेगा-3, प्रोटीन, बायोटिन, विटामिन इ और आयरन जैसे पोषक तत्व बेहद जरूरी माने जाते हैं। इनकी कमी होने पर बाल कमजोर होकर तेजी से झड़ने लगते हैं और उनकी चमक भी कम हो जाती है। ओमेगा-3 बालों की जड़ों को पोषण देता है और उन्हें स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। वहीं प्रोटीन बालों का मुख्य निर्माण तत्व है। इसकी कमी से बाल टूटने और झड़ने लगते हैं। बायोटिन बालों को जड़ों से मजबूत बनाता है, जबकि विटामिन इ स्वस्थ स्कैल्प बनाए रखने में मदद करता है। आयरन की कमी भी बालों की कई समस्याओं का कारण बन सकती है। इससे बाल कमजोर होने के साथ समय से पहले सफेद भी हो सकते हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि डाइट में अखरोट, अलसी के बीज, दही, पनीर, दालें, केले, चुकंदर, खजूर और गुड़ जैसी पौष्टिक चीजों को शामिल करें। संतुलित आहार और सही पोषण न केवल बालों का झड़ना कम कर सकता है, बल्कि उन्हें मजबूत, घना और चमकदार बनाए रखने में भी मदद करता है।.

36 करोड़ लोग हो सकते हैं प्रभावित

जबड़ा दे रहा खतरे का संकेत

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आपको अक्सर दांत भींचने की आदत है? क्या मुंह खोलते समय जबड़े से क्लिक की आवाज आती है या चबाने में दर्द महसूस होता है? अगर हां, तो इसे सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार यह टेम्पोरोमैंडिबुलर डिसऑर्डर (ळटऊ) का संकेत हो सकता है, जो दुनिया भर में करोड़ों लोगों को प्रभावित कर रहा है। क्या है टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट यानी टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट कान के पास स्थित वह जोड़ है, जो जबड़े की हड्डी को खोपड़ी से जोड़ता है। यह एक स्लाइडिंग हिंज की तरह काम करता है और बोलने, खाने, हंसने तथा जम्हाई लेने जैसी रोजमर्रा की गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब इस जोड़ में किसी प्रकार की गड़बड़ी होती है, तो उसे ळटऊ कहा जाता है। हर

चौथा व्यक्ति महसूस कर सकता है लक्षण विशेषज्ञों के अनुसार लगभग 25 प्रतिशत लोगों में ळटख से जुड़े हल्के लक्षण दिखाई देते हैं। इनमें से बड़ी संख्या को इलाज की आवश्यकता पड़ सकती है। हल्ड के अनुमान के मुताबिक दुनिया की करीब 15 प्रतिशत आबादी इस समस्या से प्रभावित हो सकती है। भारत की जनसंख्या के हिसाब से यह आंकड़ा लगभग 36 करोड़ लोगों तक पहुंच सकता है। दांत भींचना है सबसे बड़ा संकेत तनाव के दौरान दांत भींचना, नींद में दांत पीसना, नाखून चबाना और लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप पर झुकी हुई गर्दन रखना इस समस्या के प्रमुख कारण माने जाते हैं। ये आदतें जबड़े की मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं, जिससे दर्द और जकड़न बढ़ सकती है। इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज के मरीजों में जबड़े का दर्द, मुंह खोलने में परेशानी, क्लिक की आवाज, सिरदर्द, कान दर्द, गर्दन में जकड़न, चक्कर आना और दांतों में दर्द जैसा एहसास देखने को मिल सकता है। कई लोग इसे दांत या कान की सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है। समय रहते इलाज है जरूरी विशेषज्ञों का कहना है कि हर मामले में सर्जरी की जरूरत नहीं होती। शुरुआती चरण में सही एक्सरसाइज, तनाव कम करने की तकनीक, बेहतर पॉश्चर और जीवनशैली में सुधार से काफी राहत मिल सकती है। इसलिए अगर जबड़े में बार-बार दर्द, जकड़न या आवाज महसूस हो रही है, तो तुरंत विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर रहेगा।

बिना वीजा-पासपोर्ट के घूमिए पड़ोसी देश

यूनिक समय, नई दिल्ली। विदेश घूमने का सपना हर किसी का होता है, लेकिन वीजा, पासपोर्ट और बढ़ते खर्चों के कारण कई लोगों की यह इच्छा अधूरी रह जाती है। हालांकि भारत के पड़ोसी देश भूटान में एक ऐसी जगह है, जहां भारतीय नागरिक बेहद आसानी से विदेश यात्रा का अनुभव ले सकते हैं। पश्चिम बंगाल के जयगांव से सटा भूटान का फुएंत्शोलिंग शहर पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। भारत और भूटान की सीमा पर स्थित यह शहर अपनी स्वच्छता, शांत वातावरण और सुंदर प्राकृतिक नजारों के लिए जाना जाता है। यहां पहुंचते ही लोगों को विदेशी संस्कृति और अलग जीवनशैली का एहसास होने लगता है। खास बात यह है कि सीमावर्ती क्षेत्र तक जाने के लिए भारतीयों को वीजा की जरूरत नहीं पड़ती। फुएंत्शोलिंग में प्रवेश करने वाले पर्यटक यहां के बाजार, कैफे, स्थानीय व्यंजन और खूबसूरत वातावरण का आनंद ले सकते हैं। शहर में मौजूद बौद्ध मठ, पहाड़ी इलाके और हैंगिंग ब्रिज पर्यटकों को खास अनुभव प्रदान करते हैं। यहां की सड़कों पर अनुशासन और साफ-सफाई देखकर लोग काफी प्रभावित होते हैं। यह शहर उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो कम समय और कम बजट में विदेश यात्रा का अनुभव लेना चाहते हैं। कई लोग सुबह यहां घूमने आते हैं और शाम तक वापस अपने घर लौट जाते हैं। यही वजह है कि यह जगह सप्ताहांत पर्यटन के लिए भी काफी लोकप्रिय हो रही है। हालांकि जो पर्यटक भूटान की राजधानी थिम्पू या पारो जैसे अन्य शहरों में जाना चाहते हैं, उन्हें अलग परमिट और निर्धारित शुल्क की प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। लेकिन सीमावर्ती क्षेत्र में घूमने के लिए ज्यादा औपचारिकताओं की आवश्यकता नहीं होती। अगर आप भी बिना ज्यादा तैयारी और खर्च के विदेश यात्रा का आनंद लेना चाहते हैं, तो भूटान का फुएंत्शोलिंग शहर आपके लिए एक शानदार विकल्प साबित हो सकता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छ वातावरण और शांत जीवनशैली आपकी यात्रा को यादगार बना देंगे।

घर में बनाएं बाजार जैसा चटपटा आलू कोलीवाड़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई की गलियों में मिलने वाला आलू कोलीवाड़ा अपने कुरकुरे स्वाद और चटपटे मसालों के लिए बेहद लोकप्रिय है। अगर आप रोजमर्रा के आलू से कुछ अलग और स्वादिष्ट बनाना चाहते हैं, तो यह रेसिपी आपके लिए परफेक्ट है। खास बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता। आलू कोलीवाड़ा बनाने के लिए सबसे पहले 6-7 आलुओं को छीलकर बड़े टुकड़ों में काट लें। उबलते पानी में थोड़ा नमक डालकर आलुओं को लगभग 5 मिनट तक उबालें। ध्यान रखें कि आलू पूरी तरह न पकें, सिर्फ 70 प्रतिशत तक ही उबालें। इसके बाद इन्हें ठंडा होने के लिए अलग रख दें। अब एक बड़े बाउल में तेल, कश्मीरी लाल मिर्च, धनिया पाउडर, गरम मसाला, जीरा पाउडर, चाट मसाला, अमचूर, काला नमक, हींग, अजवाइन, काली मिर्च, अदरक-लहसुन-मिर्च का पेस्ट, दही, नींबू का रस, बेसन, कॉर्न फ्लोर और एक चुटकी बेकिंग सोडा मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। उबले हुए आलुओं को इस मसालेदार मिश्रण में डालकर अच्छी तरह कोट कर लें।

अब कड़ाही में तेल गर्म करें और आलुओं को सुनहरा व कुरकुरा होने तक तल लें। शुरुआत में एक मिनट तक आलुओं को बिना हिलाए छोड़ दें ताकि कोटिंग अच्छी तरह सेट हो जाए। तैयार आलू कोलीवाड़ा पर चाट मसाला छिड़कें, ऊपर से नींबू निचोड़ें और हरी चटनी के साथ गरमा-गरम परोसें। इसका मसालेदार और क्रिस्पी स्वाद बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगा।

सुविचार

दिल से निकली बात, दिल तक ज़रूर पहुंचती है।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	12:52-09:38 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष	
नक्षत्र	पुर्नवसु	04:12-01:36 तक	माह	ज्येष्ठ	
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	07:28 AM	
सूर्यास्त		7:12 PM	चंद्रास्त	09:45 PM	
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	मिथुन राशि	
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		07:11 AM: 08:53 AM	वार	बुधवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखें।

वृषभः धैर्य और समझदारी से काम लें। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुनः नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा लाभदायक साबित हो सकती है।

कर्क : भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत होगा।

सिंहः नेतृत्व क्षमता से लाभ मिलेगा। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति होगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा, सम्मान प्राप्त होगा।

कन्याः कार्यस्थल पर जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। मेहनत का फल मिलेगा। आर्थिक मामलों में सतर्कता आवश्यक रहेगी।

तुलाः संतुलित व्यवहार से लाभ होगा। रिश्तों में सुधार आएगा। नई साझेदारी भविष्य में फायदा दे सकती है।

वृश्चिकः पुराने रुके काम पूरे होंगे। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, तनाव कम करें।

धनुः भाग्य का साथ मिलेगा। शिक्षा और करियर में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

मकरः महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार के योग बनेंगे।

कुंभः रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। निवेश से पहले पूरी जानकारी अवश्य लें।

मीनः आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

लड़कों का पहनावा तय करता है भाग्य और स्वभाव

पहनावे की समझ जरूरी,गलत रंग गुस्से और रिश्तों पर भारी

यूनिक समय, मथुरा। फैशन को आमतौर पर सिर्फ बाहरी दिखावे या स्टाइल से जोड़ा जाता है, लेकिन यह हमारे सोचने के तरीके, आत्मविश्वास और रिश्तों पर भी गहरा असर डालता है। खासतौर पर लड़कों के लिए, जो आमतौर पर अपने पहनावे को लेकर बहुत सोचते नहीं, यह जानना ज़रूरी है कि कौन-सा रंग या कपड़ा उनके मूड, गुस्से, ऊर्जा और आत्मविश्वास को कैसे प्रभावित कर सकता है।

भोपाल निवासी ज्योतिषी और वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा के अनुसार, लड़कों को हल्के रंगों की ओर झुकाव रखना चाहिए, जैसे कि क्रीम रंग। यह रंग मानसिक शांति देने के साथ-साथ आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करता है। जब जीवन में तनाव या गुस्सा हावी हो, तो ऐसे रंग आपके मन को शांत कर सकते हैं और सोच को सकारात्मक बना सकते हैं।

एक और महत्वपूर्ण बात यह भी कही गई है कि बिना पूछे किसी की शर्ट या टीशर्ट पहन लेना सिर्फ बुरी आदत नहीं, बल्कि यह धीरे-धीरे आत्मसम्मान और सोच पर भी नकारात्मक असर डालती है। यह आदत आपके रिश्तों और करियर में भी बाधा बन सकती है।

कपड़ों का चुनाव सिर्फ आपकी स्टाइलिंग नहीं दर्शाता, बल्कि यह आपकी सोच, व्यक्तित्व और भाग्य का भी संकेत होता है। साफ-सुथरा, सलीकेदार और सकारात्मक रंग वाला पहनावा जहां दूसरों पर अच्छा प्रभाव डालता है, वहीं खुद को भी आत्मविश्वासी बनाता है। जब आप अच्छा महसूस करते हैं, तो आपके निर्णय भी बेहतर होते हैं और जीवन की दिशा भी सकारात्मक रहती है।

इसलिए यह ज़रूरी है कि हर लड़का अपने कपड़ों और रंगों के चुनाव में सजग हो। क्योंकि आपका पहनावा केवल आपका बाहरी आवरण नहीं, बल्कि आपकी सोच, भाग्य और संबंधों का भी आइना है।

पुराने अंडरगार्मेंट्स से न लगाएं पोछा, वरना भाग्य भी हो सकता है खराब !

यूनिक समय, मथुरा। अंडरगार्मेंट्स हमारे रोजमर्रा के कपड़ों का बेहद निजी हिस्सा होते हैं, लेकिन जब ये पुराने हो जाते हैं तो अक्सर लोग इन्हें पोछा लगाने या डस्टिंग के लिए इस्तेमाल करने लगते हैं। यदि आप भी ऐसा करते हैं तो सावधान हो जाइए, क्योंकि यह न सिर्फ अस्वच्छ आदत है बल्कि आपके स्वास्थ्य और सौभाग्य दोनों पर बुरा असर डाल सकती है।

भोपाल के ज्योतिषी और वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बताते हैं कि पुराने अंडरगार्मेंट्स से साफ-सफाई करना शारीरिक और ऊर्जात्मक दृष्टिकोण से सही नहीं है। ये कपड़े शरीर के अत्यंत निजी हिस्सों के संपर्क में रहते हैं और इनमें मौजूद

ऊर्जा अवशेष आपके घर के वातावरण को भी प्रभावित कर सकते हैं। इनका सफाई में उपयोग करने से नकारात्मक ऊर्जा फैल सकती है जिससे जीवन में अड़चनें, मानसिक तनाव और आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यदि आपके अंडरगारमेंट्स मरम्मत योग्य हैं तो उन्हें ठीक करके इस्तेमाल करें, लेकिन अगर वे पूरी तरह से फट चुके हैं तो सीधे फेंकने की बजाय पहले उन्हें नमक मिले पानी में भिगोकर सुखा लें, फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर डस्टबिन में डालें। याद रखें, इन्हें किसी को डोनेट करना भी उचित नहीं है। चाहे कितने भी साफ क्यों न हों, ये इतने निजी कपड़े होते हैं कि इन्हें साझा करना स्वास्थ्य और ऊर्जा के लिहाज से अनुचित होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पुराने पहने हुए अंडरगार्मेंट्स से पोछा लगाना आपके भाग्य को भी प्रभावित कर सकता है और सफलता के मार्ग में रुकावटें ला सकता है। इसलिए आज ही यह आदत छोड़ दें और पुराने अंडरगार्मेंट्स का निस्तारण सही तरीके से करें।

लिवर की समस्याओं का वास्तु से कनेक्शन

यूनिक समय, मथुरा। अगर आपके या आपके परिवार में किसी को बार-बार लिवर से जुड़ी समस्याएं हो रही हैं और मेडिकल जांचों में सब कुछ सामान्य आ रहा है, तो हो सकता है कारण आपके घर की दिशा में छिपा हो। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की पूर्व-दक्षिण-पूर्व (ईस्ट साउथ ईस्ट) दिशा का सीधा संबंध लिवर से होता है। इस दिशा में असंतुलन या फायर तत्व का अधिक प्रभाव लिवर की सेहत पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

इस दिशा में गैस चूल्हा, मिक्सर, वॉशिंग मशीन, ओवन या अन्य मोटर चलित मशीनें रखने से शरीर में गर्मी बढ़ती है और लिवर पर दबाव पड़ता है। इसके परिणामस्वरूप फैटी लिवर, एलर्जी, थकान, जलन या एसिडिटी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कई बार लोग इलाज करवाते हैं लेकिन सुधार नहीं होता, जबकि कारण वास्तु दोष होता है।

क्या करें: इस दिशा को साफ-सुथरा और हल्का रखें। दीवारों पर हल्के हरे या नीले रंग का उपयोग करें। यहां हरे पौधे जैसे मनी प्लांट या तुलसी लगाएं, जिससे ऊर्जा संतुलित हो सके।

क्या न करें: इस दिशा में रसोई, गैस चूल्हा, तंदूर या भारी इलेक्ट्रॉनिक सामान न रखें।

गहरे लाल या नारंगी रंग का उपयोग भी इस क्षेत्र में न करें। टूटी-फूटी या बेकार चीजें भी यहां नहीं होनी चाहिए। वास्तु के ये उपाय न केवल लिवर की समस्याओं को कम कर सकते हैं, बल्कि घर की सकारात्मक ऊर्जा को भी बढ़ाते हैं। इसलिए जब दिशा सही हो, तो शरीर भी स्वस्थ रहता है।

ग्रीन डायल घड़ी: फैशन, आत्मविश्वास और ज्योतिष का अनोखा संगम

यूनिक समय, मथुरा। आज के दौर में घड़ी केवल समय देखने का साधन नहीं रह गई है, बल्कि यह व्यक्तित्व और पसंद का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। बदलते फैशन ट्रेंड्स के बीच ग्रीन डायल यानी हरे रंग की घड़ियां युवाओं और प्रोफेशनल्स के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। स्टाइलिश लुक देने के साथ-साथ ज्योतिष में भी इस रंग को विशेष महत्व दिया जाता है।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार हरा रंग बुध ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। बुध को बुद्धिमत्ता, संवाद कौशल, तर्क क्षमता और रिश्तों का कारक ग्रह माना जाता है। इसलिए माना जाता है कि हरे रंग की वस्तुएं व्यक्ति के मानसिक संतुलन, संवाद क्षमता और सामाजिक संबंधों पर सकारात्मक प्रभाव डाल

सकती हैं। इसी वजह से कई लोग ग्रीन डायल वाली घड़ी को केवल फैशन एक्सेसरी नहीं, बल्कि शुभता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी मानते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हरा रंग प्रकृति, शांति और ताजगी का प्रतीक है। यही कारण है कि इसे भावनात्मक संतुलन और आंतरिक शांति से भी जोड़ा जाता है। कुछ ज्योतिषाचार्य मानते हैं कि ग्रीन डायल घड़ी पहनने वाले लोग अपने काम और रिश्तों के प्रति अधिक समर्पित और संवेदनशील हो सकते हैं। ऐसे लोग अक्सर जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाते हैं और दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने की कोशिश करते हैं।

हरे रंग को बुध ग्रह से जोड़ती मान्यता

सकारात्मक सोच और संतुलन पर जोर

हालांकि, ज्योतिष यह भी बताता है कि किसी भी रंग का प्रभाव व्यक्ति विशेष की कुंडली और स्वभाव पर निर्भर करता है। हरे रंग का प्रभाव कुछ लोगों को अधिक भावुक भी बना सकता है। ऐसे में वे कई बार व्यावहारिक लाभ से अधिक मानवीय रिश्तों और भावनाओं को प्राथमिकता देने लगते हैं। व्यापार और पेशेवर जीवन में यह गुण भरोसा तो दिलाता है, लेकिन कई बार व्यक्ति अपनी मेहनत का उचित मूल्य नहीं आंक पाता। ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि जिन लोगों की कुंडली में बुध ग्रह मजबूत होता है, वे हरे रंग से अधिक सकारात्मक जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। वहीं, निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करने वाले लोगों को भावनाओं और व्यावहारिकता के बीच संतुलन बनाए रखने की सलाह दी जाती है।

विशेषज्ञ यह भी स्पष्ट करते हैं कि किसी भी रंग, वस्तु या एक्सेसरी को जीवन बदलने वाला चमत्कारी उपाय नहीं माना जाना चाहिए। सफलता का आधार हमेशा मेहनत, आत्मविश्वास और सही निर्णय होते हैं। यदि ग्रीन डायल घड़ी पहनने से व्यक्ति स्वयं को अधिक सकारात्मक, ऊर्जावान और आत्मविश्वासी महसूस करता है, तो यह उसके व्यक्तित्व को निखारने में निश्चित रूप से मददगार साबित हो सकती है।

सम्पादकीय

दस हजार पेड़ों ने भर दी जीवन का खालीपन

रीवा के दीनानाथ कोल और उनकी पत्नी की कहानी केवल पर्यावरण संरक्षण की नहीं, बल्कि समर्पण, धैर्य और प्रकृति प्रेम की मिसाल है। संतान न होने की पीड़ा को उन्होंने निराशा में बदलने के बजाय हरियाली में बदल दिया। पिछले 36 वर्षों में दस हजार से अधिक पौधे लगाकर उन्हें वृक्ष बनाना साधारण उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का जीवंत उदाहरण है।

आज पर्यावरण संरक्षण पर खूब चर्चा होती है। विश्व पर्यावरण दिवस पर बड़े–बड़े आयोजन होते हैं, लाखों पौधे लगाने के दावे किए जाते हैं और हरियाली बढ़ाने के संकल्प लिए जाते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि पौधा लगाना आसान है, उसे वृक्ष बनाना कठिन। यही कारण है कि कागजों में हरियाली बढ़ती दिखाई देती है, जबकि धरातल पर उसका असर सीमित नजर आता है।

पवन गौतम
संपादक

देश के कई राज्यों में पौधरोपण अभियानों में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मामले सामने आते रहे हैं। कहीं बिना पौधे लगाए भुगतान हो जाता है तो कहीं पौधे लगाने के बाद उनकी देखभाल ही नहीं की जाती। नतीजा यह होता है कि कुछ महीनों बाद अधिकांश पौधे सूख जाते हैं और अभियान केवल आंकड़ों तक सिमटकर रह जाता है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

ऐसे समय में दीनानाथ कोल जैसे लोग यह साबित करते हैं कि पर्यावरण संरक्षण सरकारी योजनाओं से अधिक व्यक्तिगत जिम्मेदारी का विषय है। यदि एक परिवार सीमित संसाधनों में हजारों पौधों को वृक्ष बना सकता है, तो संगठित तंत्र और संस्थाएं कहीं अधिक प्रभावी परिणाम दे सकती हैं। वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करते, बल्कि जल संरक्षण, जलवायु संतुलन, जैव विविधता और आर्थिक समृद्धि के भी आधार हैं। वे बिना किसी अपेक्षा के मानव समाज को ऑक्सीजन, छाया, फल, लकड़ी और जीवन प्रदान करते हैं। इसलिए वृक्षारोपण को एक दिन के उत्सव तक सीमित रखने के बजाय जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।

प्रकृति को बचाने का वास्तविक अर्थ पौधे लगाने से आगे बढ़कर उनकी देखभाल करना है। जब तक प्रत्येक व्यक्ति लगाए गए पौधे को अपने परिवार के सदस्य की तरह नहीं अपनाएगा, तब तक हरियाली के लक्ष्य अधूरे रहेंगे। दीनानाथ कोल का जीवन संदेश देता है कि प्रकृति से प्रेम केवल शब्दों से नहीं, बल्कि सतत कर्म से साबित होता है। यही सोच भविष्य को सुरक्षित और हरा–भरा बना सकती है।

नजरिया

ईरान युद्ध के बाद और हुआ मजबूत

मनोज जोशी

पश्चिम एशिया में हाल में हुए संघर्ष के बाद भू–राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलते दिखाई दे रहे हैं। कई अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि ईरान के खिलाफ चलाया गया सैन्य अभियान अपने घोषित और अघोषित उद्देश्यों को हासिल करने में सफल नहीं हो सका। इसके विपरीत, युद्ध के तमाम आर्थिक और सैन्य नुकसानों के बावजूद ईरान पहले की तुलना में अधिक संगठित, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली शक्ति के रूप में सामने आया है। वहीं अमेरिका और इजराइल की रणनीतिक क्षमता तथा क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर भी नए सवाल खड़े हुए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार यह संघर्ष केवल परमाणु कार्यक्रम को रोकने या क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं था। इसके पीछे व्यापक राजनीतिक और रणनीतिक लक्ष्य भी जुड़े हुए थे। माना जा रहा था कि लगातार सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और राजनीतिक अलगाव के कारण ईरान की इस्लामिक व्यवस्था कमजोर पड़ जाएगी। लेकिन घटनाक्रम ने अलग दिशा ले ली। युद्ध के बाद ईरान की सत्ता संरचना न केवल बनी रही, बल्कि उसने अपने समर्थकों और सहयोगी संगठनों को भी पहले की तरह सक्रिय बनाए रखा।

संघर्ष के दौरान ईरान को भारी सैन्य और आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद उसने अपनी प्रतिरोध क्षमता का प्रदर्शन किया। ईरान ने यह दिखाया कि वह क्षेत्रीय स्तर पर अपने हितों की रक्षा करने और प्रतिद्वंद्वियों को जवाब देने की क्षमता रखता है। भूमिगत सैन्य ठिकानों, मिसाइल प्रणालियों और ड्रोन तकनीक के उपयोग ने उसकी सैन्य तैयारी को दुनिया के सामने उजागर किया। विश्लेषकों का मानना है कि इस युद्ध ने यह भी दिखाया कि ईरान केवल एक क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं, बल्कि ऐसा देश है जो बड़ी सैन्य शक्तियों के दबाव के बावजूद अपनी रणनीतिक स्थिति बनाए रखने में सक्षम है। इससे उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि और राजनीतिक आत्मविश्वास दोनों को बल मिला है।

दशकों से खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका की सैन्य उपस्थिति को स्थिरता और सुरक्षा की गारंटी माना जाता रहा है। विभिन्न देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डे और सुरक्षा समझौते इस व्यवस्था की रीढ़ रहे हैं। लेकिन हालिया घटनाओं ने इस मॉडल की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

युद्ध के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि केवल सैन्य उपस्थिति किसी क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित नहीं बना सकती। कई खाड़ी देशों ने भी अपनी सुरक्षा नीतियों की समीक्षा शुरू कर दी है। वे अब केवल एक शक्ति पर निर्भर रहने के बजाय संतुलित और बहुध्रुवीय रणनीति अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि खाड़ी सहयोग परिषद के कई सदस्य देश पहले ही ईरान के साथ संवाद और सहयोग के रास्ते तलाश रहे हैं। उनका उद्देश्य क्षेत्रीय तनाव को कम करना और अपने आर्थिक हितों की रक्षा करना है।

ईरान की सबसे बड़ी शक्ति उसके विशाल प्राकृतिक संसाधन हैं। दुनिया के सबसे बड़े तेल और गैस भंडार वाले देशों में शामिल ईरान ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा उसके पास बड़ी संख्या में शिक्षित युवा और मजबूत मध्यम वर्ग भी मौजूद है।

हालांकि पिछले कई दशकों में आर्थिक प्रतिबंधों, राजनीतिक तनाव और प्रशासनिक चुनौतियों ने उसकी विकास क्षमता को सीमित किया। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद अमेरिका और ईरान के संबंध लगातार तनावपूर्ण रहे। इस टकराव का असर ईरानी अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भी पड़ा।

इसके बावजूद ईरान ने विज्ञान, तकनीक, रक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि प्रतिबंधों में ढील मिलती है और क्षेत्रीय स्थिरता कायम रहती है, तो ईरान आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बन सकता है।

युद्ध के बाद भी इजराइल की सुरक्षा संबंधी चिंताएं समाप्त नहीं हुई हैं। इजराइल लंबे समय से ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों को लेकर चिंतित रहा है। उसका मानना है कि ईरान का बढ़ता प्रभाव भविष्य में उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती बन सकता है।

इजराइल की रणनीति यह रही है कि ईरान को सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक स्तर पर सीमित रखा जाए। लेकिन हालिया घटनाओं ने संकेत दिया है कि केवल सैन्य दबाव के माध्यम से यह लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं है।

विश्लेषकों के अनुसार यदि क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करनी है, तो सैन्य कार्रवाई के साथ–साथ राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान भी आवश्यक होंगे। केवल बल प्रयोग से दीर्घकालिक स्थिरता प्राप्त नहीं की जा सकती।

ईरान और पश्चिमी देशों के बीच सबसे बड़ा विवाद उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर है। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने संवर्धित यूरेनियम के भंडार को सीमित करे और परमाणु गतिविधियों पर कड़े प्रतिबंध स्वीकार करे। दूसरी ओर ईरान का कहना है कि उसे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा विकसित करने का अधिकार है।

ईरान लगातार यह दावा करता रहा है कि वह परमाणु हथियार बनाने की दिशा में काम नहीं कर रहा और उसने परमाणु अप्रसार संधि के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन किया है। उसका तर्क है कि ऊर्जा सुरक्षा और वैज्ञानिक विकास के लिए यूरेनियम संवर्धन आवश्यक है।

हालिया वार्ताओं में कुछ प्रगति के संकेत मिले हैं, लेकिन दोनों पक्षों के बीच अभी भी महत्वपूर्ण मतभेद बने हुए हैं। अमेरिका चाहता है कि ईरान अधिक कठोर शर्तें स्वीकार करे, जबकि ईरान अपनी संप्रभुता और तकनीकी अधिकारों से समझौता करने के पक्ष में नहीं है।

ईरान परमाणु विवाद पर चर्चा करते समय 2015 के उस ऐतिहासिक समझौते का जिक्र अक्सर होता है, जिसे संयुक्त व्यापक कार्य योजना कहा जाता है। इस समझौते के तहत ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम पर कई सीमाएं स्वीकार की थीं, जबकि बदले में उस पर लगे कुछ आर्थिक प्रतिबंध हटाए गए थे।

लेकिन 2018 में अमेरिका ने इस समझौते से खुद को अलग कर लिया और दोबारा प्रतिबंध लगा दिए। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच अविश्वास बढ़ गया। यही कारण है कि नई वार्ताओं में भी सहमति बनाना आसान नहीं दिख रहा।

युद्ध के बाद एक बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि भविष्य में वार्ताएं विफल हो जाती हैं, तो क्या अमेरिका फिर से उसी स्तर का सैन्य दबाव बना पाएगा? क्षेत्रीय और वैश्विक परिस्थितियां पहले की तुलना में बदल चुकी हैं। कई देश अब बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं और किसी एक शक्ति के प्रभाव को चुनौती दे रहे हैं।

ऐसी स्थिति में अमेरिका के लिए भी पुराने तरीके से दबाव बनाना आसान नहीं होगा। इसके अलावा लंबे युद्धों और बढ़ते रक्षा खर्च को लेकर अमेरिकी समाज के भीतर भी बहस जारी है।

पश्चिम एशिया का राजनीतिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। एक ओर ईरान अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रहा है, तो दूसरी ओर खाड़ी देश संतुलित कूटनीति अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं। अमेरिका और इजराइल अभी भी क्षेत्र की महत्वपूर्ण शक्तियां हैं, लेकिन उनके सामने नई चुनौतियां भी खड़ी हो रही हैं।

युद्ध के बाद उभरी परिस्थितियां यह संकेत देती हैं कि आने वाले वर्षों में क्षेत्रीय राजनीति केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि कूटनीति, आर्थिक सहयोग और रणनीतिक संतुलन से तय होगी। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि इस संघर्ष ने पश्चिम एशिया की शक्ति संरचना को नई दिशा दी है और ईरान को पहले से अधिक प्रभावशाली खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विचार विण्डो

डिजिटल पीढ़ी की राजनीति बदल रही विरोध का तरीका

चेतन भगत

2011 और 2026 के युवाओं के बीच सबसे बड़ा अंतर तकनीक और सोच का है। जहां एक दशक पहले युवा अपनी आवाज बुलंद करने के लिए सड़कों पर उतरते थे, वहीं आज की पीढ़ी सोशल मीडिया को अपना सबसे बड़ा मंच मानती है। यही बदलाव हाल के दिनों में चर्चा में रही 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के जरिए भी देखने को मिला।

सीजेपी ने बहुत कम समय में सोशल मीडिया पर करोड़ों फॉलोअर्स जुटा लिए। इसके वीडियो, पोस्ट और संदेश लाखों लोगों तक पहुंचे। हालांकि जब संगठन ने जंतर–मंतर पर वास्तविक सभा आयोजित की तो वहां अपेक्षाकृत कम लोग पहुंचे। इस अंतर ने एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा कर दिया कि आखिर ऑनलाइन समर्थन और वास्तविक जनभागीदारी के बीच इतना बड़ा फर्क क्यों दिखाई देता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इसका उत्तर केवल युवाओं की रुचि या सक्रियता में नहीं, बल्कि पूरी पीढ़ी के बदलते व्यवहार में छिपा है। आज की जेनरेशन–जी या जेन–जी पूरी तरह डिजिटल माहौल में पली–बढ़ी है। उनके लिए सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि विचार व्यक्त करने, समर्थन जुटाने और विरोध दर्ज कराने का प्रमुख मंच बन चुका है।

कई लोग सीजेपी की तुलना वर्ष 2011 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से कर रहे हैं। उस समय अन्ना हजारे के नेतृत्व में देशभर में व्यापक जनसमर्थन देखने को मिला था। हजारों लोग सड़कों पर उतरे थे और जंतर–मंतर तथा रामलीला मैदान राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र बन गए थे। लेकिन 2026 का सामाजिक और डिजिटल वातावरण पूरी तरह अलग है।

वर्ष 2011 में देश के अधिकांश लोग एक जैसे समाचार चैनल देखते थे और लगभग समान मुद्दों पर चर्चा करते थे। किसी बड़े आंदोलन या प्रदर्शन की खबर पूरे देश में एक साथ पहुंचती थी। लोगों के बीच एक साझा राजनीतिक और सामाजिक चेतना विकसित हो जाती थी। इसके विपरीत आज का डिजिटल दौर एल्गोरिदम आधारित दुनिया है, जहां हर व्यक्ति अपनी अलग सूचना–परिस्थिति में जी रहा है।

एक छात्र पूरे दिन प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े वीडियो देख सकता है, जबकि दूसरा स्टार्टअप और उद्यमिता से जुड़ी सामग्री में रुचि रखता है। कोई मनोरंजन, फैशन या खेल की दुनिया में व्यस्त है, तो कोई राजनीतिक मीम्स और डिजिटल बहसों में शामिल है। ऐसे में सभी लोग इंटरनेट पर मौजूद तो हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे एक जैसी सामाजिक या राजनीतिक वास्तविकता का अनुभव कर रहे हों। यही कारण है कि आज किसी एक मुद्दे पर व्यापक जनसमर्थन जुटाना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो गया है। 2011 का आंदोलन एक स्पष्ट मांग के साथ सामने आया था–भ्रष्टाचार समाप्त करो। देश के अधिकांश लोग जानते थे कि आंदोलन किस उद्देश्य के लिए चल रहा है। वहीं आज युवाओं की चिंताएं कई अलग–अलग विषयों से जुड़ी हुई हैं।

बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताएं, पेपर लीक, बढ़ती महंगाई, अवसरों की कमी, राजनीतिक ध्रुवीकरण और भविष्य की अनिश्चितता जैसे अनेक मुद्दे युवाओं को प्रभावित कर रहे हैं। ये सभी वास्तविक समस्याएं हैं, लेकिन जब असंतोष कई दिशाओं में बंट जाता है तो उसे एकजुट आंदोलन का रूप देना कठिन हो जाता है। सीजेपी और 2011 के आंदोलन के बीच एक और बड़ा अंतर उनकी अभिव्यक्ति की शैली है। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन गंभीर और अनुशासित स्वरूप का था। लोग गांधी टोपी पहनकर रैलियों में शामिल होते थे, उपवास रखते थे और शांतिपूर्ण विरोध के माध्यम से अपनी बात रखते थे। इसके विपरीत सीजेपी का उदय हास्य, व्यंग्य और डिजिटल कंटेंट के जरिए हुआ। सोशल मीडिया पोस्ट, मीम्स और वीडियो इसकी पहचान बने। इस शैली की सबसे बड़ी ताकत यह है कि संदेश बहुत तेजी से फैलता है और बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचता है। लेकिन इसकी एक सीमा भी है। किसी पोस्ट को लाइक या शेयर करना आसान होता है, जबकि किसी आंदोलन का सक्रिय हिस्सा बनना अपेक्षाकृत कठिन। डिजिटल दुनिया में लोकप्रियता हमेशा वास्तविक जनसमर्थन में परिवर्तित नहीं होती। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर करोड़ों दर्शकों वाला अभियान भी कभी–कभी जमीन पर सीमित प्रभाव ही छोड़ पाता है। फिर भी यह मान लेना गलत होगा कि आज के युवा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों के प्रति उदासीन हैं।

यदि लाखों युवा रोजगार, शिक्षा और अवसरों जैसे विषयों पर लगातार चर्चा कर रहे हैं तो इसका अर्थ है कि उनके भीतर असंतोष और चिंता मौजूद है। फर्क केवल इतना है कि वे अपनी बात रखने के लिए अलग माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं। पुरानी पीढ़ी के लिए राजनीतिक भागीदारी का अर्थ धरना, प्रदर्शन और रैलियां रही हैं। वहीं नई पीढ़ी के लिए पोस्ट, वीडियो, कमेंट और डिजिटल अभियान भी उतने ही महत्वपूर्ण साधन हैं। इसी कारण दोनों पीढ़ियों के बीच अक्सर गलतफहमी पैदा होती है।

कई वरिष्ठ लोग पूछते हैं कि यदि युवा इतने असंतुष्ट हैं तो वे सड़कों पर क्यों नहीं उतरते। दूसरी ओर युवा मानते हैं कि यदि उनकी बात लाखों लोगों तक सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंच रही है तो यह भी प्रभावी भागीदारी का एक तरीका है। आज सोशल मीडिया दोहरी भूमिका निभा रहा है। एक ओर यह विचारों को तेजी से फैलाने और लोगों को जोड़ने का माध्यम है, वहीं दूसरी ओर यह असंतोष को व्यक्त करने का ऐसा मंच भी बन गया है, जहां लोग अपनी नाराजगी जाहिर कर मानसिक दबाव कम कर लेते हैं। कई बार वही ऊर्जा, जो पहले सड़कों पर आंदोलन के रूप में दिखाई देती थी, अब डिजिटल मंचों पर ही सीमित रह जाती है।

दरअसल यह किसी कमजोर या निष्क्रिय पीढ़ी की कहानी नहीं है। यह उस पीढ़ी की कहानी है जिसने राजनीति और सामाजिक भागीदारी को नए तरीके से परिभाषित किया है। आज का युवा विरोध दर्ज कराने से पहले अपने मोबाइल फोन की ओर हाथ बढ़ाता है। वह अपनी बात वीडियो, पोस्ट और डिजिटल अभियानों के जरिए कहता है। सबसे बड़ा सवाल अब यही है कि क्या डिजिटल आक्रोश वास्तविक दुनिया में बदलाव ला सकता है। आने वाले वर्षों में भारतीय लोकतंत्र और राजनीति को इसी प्रश्न का उत्तर तलाशना होगा। इतना निश्चित है कि 2011 और 2026 के बीच केवल समय ही नहीं बदला है, बल्कि विरोध, भागीदारी और राजनीतिक अभिव्यक्ति की पूरी संस्कृति बदल चुकी है।

खेल इतिहास में कई बड़े नाम भी रहे विवादों में

मैदान पर फूटा वैभव सूर्यवंशी का गुस्सा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत ए और श्रीलंका ए के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले के बाद युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अचानक सुर्खियों में आ गए हैं। मैच के बाद मैदान पर उनकी तीखी प्रतिक्रिया को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। हालांकि खेल इतिहास पर नजर डालें तो यह कोई नई बात नहीं है। कई महान खिलाड़ी अपने करियर के शुरुआती दौर में भावनाओं पर नियंत्रण खो चुके हैं, लेकिन बाद में उन्होंने उसी जुनून को अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया। दरअसल, भारत ए और श्रीलंका ए के बीच मुकाबला 265–265 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। इसके बाद सुपर ओवर खेला गया, जिसमें श्रीलंका ए ने जीत हासिल कर ली। रिपोर्ट्स के अनुसार मैच खत्म होने के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ी विशेन हलाम्बागे की एक टिप्पणी से वैभव नाराज हो गए और दोनों खिलाडियों के बीच तीखी बहस देखने को मिली। मामला इतना बढ़ गया कि साथी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को बीच–बचाव करना पड़ा। इस घटना के बाद कुछ लोगों ने वैभव के व्यवहार पर सवाल उठाए, लेकिन क्रिकेट और अन्य खेलों का इतिहास बताता है कि आक्रामकता और भावनाएं अक्सर बड़े खिलाड़ियों के व्यक्तित्व का हिस्सा रही हैं। विराट कोहली, सौरव गांगुली और गौतम गंभीर जैसे भारतीय क्रिकेटरों ने भी कई मौकों पर मैदान पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। फुटबॉल में क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और नेमार भी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के कारण चर्चा में रहे हैं। वहीं टेनिस के दिग्गज रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच भी अपने करियर में कई बार दबाव के क्षणों में नाराजगी दिखा चुके हैं। वैभव सूर्यवंशी अभी सिर्फ 15 साल के हैं और अपने करियर की शुरुआती सीढ़ियां चढ़ रहे हैं। असली सवाल यह नहीं कि खिलाड़ी गुस्सा हुआ या नहीं, बल्कि यह है कि वह उस अनुभव से क्या सीखता है। महान खिलाड़ी वही बनते हैं, जो अपने जुनून को सही दिशा देना सीख लेते हैं।

दिग्गज निशानेबाज जसपाल राणा की मां का निधन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी जगत के लिए एक और दुखद खबर सामने आई है। दिग्गज निशानेबाज और कोच जसपाल राणा के निधन के कुछ ही दिनों बाद उनकी मां श्यामा देवी राणा का भी देहांत हो गया। 78 वर्षीय श्यामा देवी लंबे समय से अस्वस्थ थीं और नई दिल्ली के एक आर्मी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। परिजनों के अनुसार, 12 जून को जसपाल राणा के निधन की खबर ने उन्हें गहरे सदमे में डाल दिया था। बेटे से बेहद लगाव रखने वाली श्यामा देवी इस दुख से उबर नहीं सकीं। बताया जा रहा है कि जसपाल के निधन के बाद उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी और आखिरकार उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली।

बेटे के जाने के सदमे से मां का निधन

श्यामा देवी, द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित नारायण सिंह राणा की पत्नी थीं। पहले परिवार ने देश के महान निशानेबाज जसपाल राणा को खोया और अब उनकी मां के निधन से राणा परिवार पर दुखों का दोहरा पहाड़ टूट पड़ा है।

इस खबर से खेल जगत में शोक की लहर है। खिलाड़ियों, कोचों और प्रशंसकों ने श्यामा देवी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

40 वर्षीय गोलकीपर की लोकप्रियता आसमान पर

40 साल के गोलकीपर की दुनिया हुई दीवानी

मैदान में हीरो, इंटरनेट पर सुपरस्टार

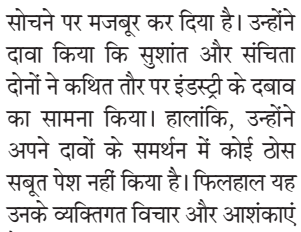

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में पहली बार खेल रही केप वर्डे की टीम ने अपने पहले ही मैच में बड़ा उलटफेर करते हुए यूरोपियन चैंपियन स्पेन को 0–0 की बराबरी पर रोक दिया। इस ऐतिहासिक नतीजे के सबसे बड़े हीरो 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा रहे, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन से दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

मैच में स्पेन ने गेंद पर दबदबा बनाए रखा और गोलपोस्ट पर 27 शॉट लगाए, लेकिन वोजिन्हा चट्टान की तरह डटे रहे। अनुभवी गोलकीपर ने सात बेहतरीन सेव करते हुए स्पेन के हर हमले को नाकाम कर दिया। उनके दमदार प्रदर्शन की बदौलत केप वर्डे ने अपने वर्ल्ड कप डेब्यू मैच में एक अहम अंक हासिल किया। इसके साथ ही वोजिन्हा वर्ल्ड कप पदार्पण मैच में क्लीन शीट रखने वाले सबसे उम्रदराज गोलकीपर भी बन गए।

अंतिम सीटी बजते ही वोजिन्हा भावुक हो गए और मैदान पर ही उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। साथी खिलाड़ियों ने उन्हें गले लगाकर इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाया।

मैदान पर मिले इस शानदार प्रदर्शन का असर सोशल मीडिया पर भी देखने को मिला। मैच से पहले इंस्टाग्राम पर उनके करीब 50 हजार फॉलोअर्स थे, लेकिन कुछ ही घंटों में यह संख्या बढ़कर 50 लाख के पार पहुंच गई। वोजिन्हा अब सिर्फ केप वर्डे ही नहीं, बल्कि पूरे फुटबॉल जगत के नए हीरो बन चुके हैं।

एक बार फिर गूंजेगा हिंदुस्तान जिंदाबाद

'गदर 3' को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय फिल्मों में शामिल 'गदरः एक प्रेम कथा' ने अपनी रिलीज के 25 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर फिल्म की टीम ने एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें निर्देशक अनिल शर्मा, अभिनेता सनी देओल और अभिनेत्री अमीषा पटेल समेत कई कलाकार मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को साझा किया गया और दर्शकों के वर्षों से मिले प्यार के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया। हालांकि, सबसे ज्यादा चर्चा फिल्म के संभावित तीसरे भाग 'गदर 3' को लेकर हुई। मीडिया से बातचीत के दौरान जब अनिल शर्मा से पूछा गया कि क्या दर्शकों को 'गदर 3' देखने को मिलेगी, तो उन्होंने इसके संकेत दिए। उन्होंने कहा कि वह फिलहाल एक ऐसी दमदार कहानी की तलाश में हैं, जो 'गदर' फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता और दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतर सके। निर्देशक ने कहा, "पहला पार्ट एक बम था, दूसरा पार्ट एटम बम साबित हुआ और तीसरा पार्ट न्यूक्लियर बम होगा। जिस दिन मुझे वैसी स्किप्ट मिल जाएगी, मैं पूरी ताकत के साथ फिल्म पर काम शुरू कर दूंगा।"

साल 2001 में रिलीज हुई 'गदरः एक प्रेम कथा' भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे सफल फिल्मों में गिनी जाती है। भारत–पाकिस्तान विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में सनी देओल ने तारा सिंह और अमीषा पटेल ने सकीना का किरदार निभाया था। दोनों की प्रेम कहानी, देशभक्ति से भरपूर संवाद और भावनात्मक दृश्यों ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। फिल्म के गाने भी आज तक लोकप्रिय हैं। फिल्म की अपार सफलता के बाद अगस्त 2023 में 'गदर 2' रिलीज हुई। लंबे अंतराल के बावजूद दर्शकों ने फिल्म को जबरदस्त समर्थन दिया। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने रिकॉर्डतोड़ कमाई की और साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में शामिल हो गई। तारा सिंह के किरदार ने एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया। अब 'गदर' की 25वीं वर्षगांठ पर आए अनिल शर्मा के बयान ने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। हालांकि 'गदर 3' की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन निर्देशक के संकेतों ने साफ कर दिया है कि सही कहानी मिलने पर इस सुपरहिट फ्रेंचाइजी का अगला अध्याय भी बड़े पर्दे पर देखने को मिल सकता है। ऐसे में फैंस को उम्मीद है कि तारा सिंह जल्द ही एक बार फिर अपने दमदार अंदाज के साथ सिनेमाघरों में वापसी करेंगे।

गदर 3' को लेकर अनिल शर्मा का बड़ा ऐलान

सनी देओल की ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी लौटेगी पर्दे पर

संचिता उगाले की मौत ने फिर जगाई सुशांत केस की याद

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री की उभरती अभिनेत्री संचिता उगाले की आत्महत्या ने मनोरंजन जगत और उनके प्रशंसकों को गहरे सदमे में डाल दिया है। महज 22 वर्ष की उम्र में उनका इस तरह दुनिया को अलविदा कह देना कई सवाल खड़े कर रहा है। अब इस मामले में संचिता के भाई आकाश सतीश उगाले का बयान सामने आया है, जिसने पूरे मामले को नई चर्चा का विषय बना दिया है। आकाश ने अपनी बहन की मौत को दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के मामले से जोड़ते हुए कई गंभीर सवाल उठाए हैं। मीडिया से बातचीत में आकाश ने दावा किया कि जिस तरह सुशांत सिंह राजपूत पर फिल्म इंडस्ट्री का दबाव बताया जाता रहा, उसी तरह उनकी बहन भी मानसिक दबाव से गुजर रही थीं। उन्होंने कहा कि दोनों मामलों में कुछ ऐसी समानताएं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आकाश ने यह भी बताया कि सुशांत सिंह राजपूत की पुण्यतिथि से ठीक पहले संचिता ने सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए एक रील साझा की थी, जिसमें लिखा था, "आज फिर 14 जून है।" आकाश का कहना है कि इस पोस्ट और संचिता की मौत के समय ने उन्हें सोचने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि सुशांत और संचिता दोनों ने कथित तौर पर इंडस्ट्री के दबाव का सामना किया। हालांकि, उन्होंने अपने दावों के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया है। फिलहाल यह उनके व्यक्तिगत विचार और आशंकाएं हैं।

संचिता के भाई ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अन्य वरिष्ठ नेताओं से हस्तक्षेप की अपील भी की है। उनका कहना है कि परिवार सच्चाई सामने आने का इंतजार कर रहा है और चाहता है कि हर पहलू से जांच की जाए। पुलिस के अनुसार, संचिता उगाले ने 14 जून की शाम महाराष्ट्र के नालासोपारा स्थित अपने घर में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उनके पिता की शिकायत के आधार पर एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट दर्ज कर ली है और मामले की जांच जारी है।

अधिकारियों का कहना है कि अभी तक आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है और परिवार के सदस्यों समेत करीबी लोगों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल संचिता उगाले की मौत रहस्य बनी हुई है और जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

संचिता उगाले की मौत पर नया मोड़

संचिता उगाले की मौत के बाद भाई का चौंकाने वाला बयान

फोटोशूट में मोनालिसा का स्टाइलिश अवतार छाया

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोजपुरी सिनेमा और टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री मोनालिसा एक बार फिर अपने ग्लैमरस लुक को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। अपनी अदाकारी के साथ–साथ फैशन और स्टाइल के लिए पहचानी जाने वाली मोनालिसा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कुछ नई तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें फैंस का भरपूर प्यार मिल रहा है।

तस्वीरों में मोनालिसा व्हाइट कलर की खूबसूरत फ्लॉवर प्रिंट ड्रेस में नजर आ रही हैं। बालकनी में खड़े होकर उन्होंने कई दिलकश पोज दिए हैं, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं। उनके लुक की सबसे खास बात कानों में लगाए गए सफेद फूल हैं, जिन्हें उन्होंने झुमकों की तरह स्टाइल किया है। यह अनोखा और ताजगी भरा अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। फोटोज में मोनालिसा का आत्मविश्वास और स्टाइल साफ झलक रहा है। वह अलग–अलग पोज देते हुए अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। 43 साल की उम्र में भी उनकी फिटनेस और आकर्षक व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करता है। नियमित वर्कआउट और हेल्दी लाइफस्टाइल की बदौलत वह आज भी बेहद फिट दिखाई देती हैं।

फ्लोरल ड्रेस और फूलों के झुमकों में छाई मोनालिसा

मोनालिसा की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। कोई उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहा है तो कोई उनके फैशन सेंस का मुरीद हो गया है। सोशल मीडिया पर उनका यह फ्लोरल फोटोशूट तेजी से वायरल हो रहा है और चर्चा का विषय बना हुआ है।

कल बदल सकता है मौसम का मिजाज

यूपी के कई जिलों में आंधी बारिश का यलो अलर्ट

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी और लू से परेशान लोगों के लिए राहत भरी खबर है। भारतीय मौसम विभाग ने 17 जून को प्रदेश के कई जिलों में मौसम के अचानक करवट लेने का पूर्वानुमान जारी किया है। विभाग के अनुसार, पश्चिमी और मध्य उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी, गरज–चमक और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कई जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रदेश में सक्रिय हो रहे मौसमीय सिस्टम के प्रभाव से अगले 24 घंटों के दौरान मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। तेज हवाओं और बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज होने की संभावना है, जिससे लोगों को पिछले दिनों से जारी भीषण गर्मी और उमस से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने मेरठ, मथुरा, आगरा, अलीगढ़, रायबरेली, एटा और इटावा सहित कई जिलों में बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी है। इसके अलावा कानपुर, बांदा, हमीरपुर, झांसी, ललितपुर, फतेहपुर, चित्रकूट, वाराणसी और प्रयागराज समेत आसपास के क्षेत्रों में भी मौसम का असर देखने को मिल सकता है। इन इलाकों में गरज–चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। विभाग के अनुसार, आंधी के दौरान हवा की रफ्तार 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। तेज हवाओं के कारण पेड़ों की शाखाएं टूटने, बिजली के खंभों और होर्डिंग्स को नुकसान पहुंचने की आशंका है। ऐसे में प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचें और सुरक्षित जगहों पर रहें। राजधानी लखनऊ में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आ सकता है। यहां दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, लखनऊ में अधिकतम तापमान करीब 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विशेषज्ञों ने किसानों को भी सतर्क रहने की सलाह दी है। खेतों में रखी फसलों और कृषि उपकरणों को सुरक्षित स्थानों पर रखने की अपील की गई है। साथ ही आम लोगों से मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा अपडेट पर नजर बनाए रखने को कहा गया है, ताकि किसी भी संभावित मौसमीय खतरे से समय रहते बचाव किया जा सके।

ऐशबाग स्टेशन पर बम की खबर से मची भगदड़

जांच में सामने आई चौंकाने वाली सच्चाई

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब एक ट्रेन में बम होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, स्थानीय पुलिस, जीआरपी और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। सुरक्षा के मद्देनजर स्टेशन और संबंधित ट्रेन के सभी कोचों की सघन तलाशी ली गई। इस दौरान यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया और कुछ समय के लिए स्टेशन पर हलचल तेज हो गई। हालांकि, व्यापक जांच और तलाशी अभियान के बाद सुरक्षा एजेंसियों को ट्रेन या स्टेशन परिसर में कोई भी संदिग्ध वस्तु अथवा विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। जांच में बम की सूचना पूरी तरह झूठी और निराधार साबित हुई। इसके बाद अधिकारियों ने ट्रेन को सुरक्षित घोषित करते हुए उसके अगले गंतव्य के लिए रवाना कर दिया।

मामले की जांच के दौरान पुलिस को जो सच्चाई पता चली, उसने सभी को चौंका दिया। पूछताछ में सामने आया कि सैनी जैकी नामक 26 वर्षीय युवक को ट्रेन में बैठने के लिए जगह नहीं मिल रही थी। इसी वजह से उसने ट्रेन में बम होने की झूठी अफवाह फैला दी। उसकी इस हरकत से यात्रियों के बीच भय और अफरा–तफरी का माहौल पैदा हो गया।

जीआरपी पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि ऐसी झूठी सूचनाएं न फैलाएं, क्योंकि इससे न केवल सुरक्षा एजेंसियों का समय और संसाधन बर्बाद होते हैं, बल्कि आम लोगों में अनावश्यक दहशत भी फैलती है।

मिर्जापुर में गौ तस्करों पर पुलिस कार्रवाई

यूनिक समय, मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में मंगलवार सुबह पुलिस और गौ तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में एक आरोपी घायल हो गया, जबकि उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई विंध्याचल थाना क्षेत्र में की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन में गौवंश लादकर तस्करी के लिए ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक वाहन लेकर भाग निकला। इसके बाद पुलिस ने पीछा किया और लालगंज रोड स्थित दादर पहाड़ी के पास वाहन को घेर लिया। पुलिस के मुताबिक, खुद को घिरता देख आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में रोहित यादव नामक आरोपी के पैर में गोली लग गई।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने रोहित यादव के साथ अशोक यादव और राजीव तिवारी को भी गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपी मिर्जापुर का निवासी है, जबकि अन्य दोनों आरोपी चंदौली जिले के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देशी तमंचा, कारतूस, तस्करी में इस्तेमाल पिकअप वाहन और पांच गौवंश बरामद किए हैं। घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

पत्नी को भगाने की रंजिश में युवक की हत्या

आरोपी तोताराम गिरफ्तार

यूनिक समय, संभल। चंदौसी कोतवाली क्षेत्र में पत्नी को भगाकर ले जाने की पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की लोहे के पाइप से पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी तोताराम को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त पाइप भी बरामद कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बदायूं चुंगी निवासी फूलवती ने कोतवाली चंदौसी में तहरीर देकर आरोप लगाया कि पुरानी रंजिश के चलते तोताराम ने उनके पति राजेश प्रजापति की हत्या कर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। बताया गया कि सोमवार शाम करीब छह बजे आईटीआई कॉलेज के पास स्थित भारत पेट्रोल पंप के निकट राजेश पर लोहे के पाइप से हमला किया गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में पुलिस टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान मंगलवार दोपहर करीब 12:30 बजे आरोपी तोताराम पुत्र नत्थू को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी ने बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व राजेश उसकी पत्नी को अपने साथ भगा ले गया था। इसी बात को लेकर वह उससे रंजिश रखता था। 15 जून की शाम उसने राजेश को बुलाकर लोहे के पाइप से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या का कारण पुरानी रंजिश सामने आया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है, जबकि मामले की आगे की जांच जारी है।

तबेले में चल रही थी अवैध अचार फैक्ट्री

यूनिक समय, गाजियाबाद। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने खोड़ा क्षेत्र के आदर्श नगर में संचालित एक अवैध अचार फैक्ट्री पर छापेमारी कर भारी मात्रा में अचार बरामद किया। जांच के दौरान सामने आया कि फैक्ट्री का संचालन भैंसों के तबेले में किया जा रहा था, जहां स्वच्छता मानकों की गंभीर अनदेखी की जा रही थी। फैक्ट्री की स्थिति देखकर विभागीय अधिकारी भी हैरान रह गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार छापेमारी के दौरान अचार निर्माण स्थल पर भारी गंदगी पाई गई। अचार तैयार करने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल और तैयार उत्पाद खुले में रखे गए थे, जिससे खाद्य सामग्री के दूषित होने की आशंका बनी हुई थी। जांच में खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर विभाग ने मौके पर ही करीब 34 क्विंटल अचार नष्ट करा दिया। इसके अलावा 180 किलोग्राम तैयार अचार और लगभग नौ क्विंटल नमक को सीज कर दिया गया।

टीम ने संबंधित इकाइयों से कुल छह नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे हैं। रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट होगा कि उत्पादों में किसी प्रकार की मिलावट, हानिकारक रसायनों का उपयोग अथवा अन्य खाद्य मानकों का उल्लंघन हुआ है या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि रिपोर्ट में गंभीर अनियमितताएं मिलने पर फैक्ट्री संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जांच में यह भी सामने आया कि एक फैक्ट्री का संचालन दिल्ली पुलिस के सेवानिवृत्त दरोगा जसबीर सिंह के तबेले में किया जा रहा था। विभाग अब इस अवैध कारोबार की अवधि और बाजार में इसकी सप्लाई के दायरे की भी जांच कर रहा है।

अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

हथियार तस्करी नेटवर्क ध्वस्त

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी पुलिस को अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। कमिश्नरेट की चोलापुर पुलिस और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की संयुक्त टीम ने अवैध शस्त्र और कारतूस की खरीद–फरोख्त करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई कटारी ब्लॉक के पास की, जहां से आरोपियों को धर दबोचा गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अखिलेश उर्फ मोनू राजभर, अरुण राजभर, हिमांशु कुमार उर्फ सनी, आभाष सिंह, विशाल सिंह, अनिकेत चौहान और नमन मिश्रा उर्फ अस्तीशू के रूप में हुई है। सभी आरोपी वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस को लंबे समय से इस गिरोह की गतिविधियों की जानकारी मिल रही थी, जिसके बाद निगरानी बढ़ाकर कार्रवाई की गई। छापेमारी और तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए गए। इनमें एक .32 बोर रिवाल्वर और छह कारतूस, एक 7.65 एमएम पिस्टल और दो कारतूस, एक .315 बोर तमंचा और तीन कारतूस, एक 9 एमएम पिस्टल और दो कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा एक चोरी की मोटरसाइकिल और विभिन्न कंपनियों के छह मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। डीसीपी वरुणा प्रमोद कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अवैध हथियारों की सप्लाई और बिक्री के नेटवर्क से जुड़े हुए थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन हथियारों की खरीद कहां से की गई और इन्हें किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। मामले में गिरोह के अन्य सदस्यों और संभावित संपर्कों की भी तलाश की जा रही है।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध हथियारों के कारोबार पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और कानून–व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जाएगा। यह कार्रवाई क्षेत्र में अपराध नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

अखिलेश की बेटी पर टिप्पणी साइबर जांच में खुलासे

अमेरिका से जौनपुर तक जुड़े आरोपियों के तार

यूनिक समय, कानपुर। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटी पर सोशल मीडिया में कथित अभद्र टिप्पणी करने के मामले में कानपुर पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस तीन नामजद आरोपियों की तलाश में जुटी है, जिनके तार अमेरिका से लेकर उत्तर प्रदेश के जौनपुर और अमरोहा तक जुड़े पाए गए हैं। सपा अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण यादव बंटी की शिकायत पर साइबर थाने में मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि सोशल मीडिया पर बने तीन खातों से आपत्तिजनक टिप्पणियों को बढ़ावा दिया गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि भरत कुमार पटेल नाम का एक अकाउंट अमेरिका के पेन्सिलवेनिया से संचालित हो रहा है। वहीं, दूसरा आरोपी नागेश्वर सिंह अमरोहा का निवासी है, जबकि तीसरा आरोपी विनोद कुमार यादव जौनपुर का रहने वाला और पेशे से ऑटो चालक बताया गया है।

पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के अनुसार, क्राइम ब्रांच आरोपियों की जानकारी जुटा रही है। अमेरिका स्थित आरोपी के संबंध में मेटा मुख्यालय से भी विवरण मांगा गया है। मामले की जांच जारी है।

ईरान–अमेरिका डील से बढ़ा तनाव, नेतन्याहू सख्त

समझौते के बावजूद इजरायल ने कहा–खतरा टला नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच होने जा रहे नए समझौते ने मध्य पूर्व की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। दोनों देशों के बीच 19 जून को जिनेवा में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने की खबर है। इस समझौते का उद्देश्य युद्धविराम को आगे बढ़ाना और वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से सुचारु रूप से खोलना बताया जा रहा है। हालांकि इस डील से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं। नेतन्याहू ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ईरान के साथ संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजरायल के हित कई मामलों में

समान हैं, लेकिन हर मुद्दे पर दोनों देशों की राय एक जैसी नहीं हो सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि इजरायल की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है और वे किसी भी स्थिति में ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे। अपने देशवासियों को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि वर्षों से वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध करते आ रहे हैं और इसे अपने जीवन का मिशन मानते हैं।

उनका दावा है कि इजरायल और उसके सहयोगियों ने हाल के अभियानों में ईरान की कई सैन्य और परमाणु क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि समय रहते की गई कार्रवाई ने इजरायल को बड़े खतरे से बचाया है। हालांकि उन्होंने लोगों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा कि क्षेत्र में मौजूद अन्य ईरान समर्थित संगठनों से भी खतरा बना हुआ है। नेतन्याहू के अनुसार, शांति की दिशा में प्रयास जारी रहेंगे, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस बयान ने साफ कर दिया है कि अमेरिका–ईरान समझौते के बावजूद मध्य पूर्व में तनाव पूरी तरह खत्म होने वाला नहीं है।

पेपर लीक आरोपी को कोर्ट से बड़ी राहत

नीट री–एग्जाम देने और बहन की शादी में शामिल होने की मिली अनुमति

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट यूजी पेपर लीक मामले के आरोपी यश यादव को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने यश यादव को 21 जून को आयोजित होने वाली नीट यूजी की दोबारा परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने उसे अपनी बहन की शादी में शामिल होने की भी इजाजत प्रदान की है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया है कि इस दौरान आरोपी पुलिस कस्टडी में ही रहेगा और हर गतिविधि पुलिस की निगरानी में होगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने शिक्षा के महत्व पर टिप्पणी करते हुए कहा कि शिक्षा एक मौलिक अधिकार है। अदालत का मानना था कि केवल आरोप लगने के आधार पर किसी छात्र को परीक्षा देने के अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता, जब तक कि उसके खिलाफ आरोप न्यायिक प्रक्रिया में साबित न हो जाएं। इसी आधार पर कोर्ट ने यश यादव को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति प्रदान की। मामले के अनुसार, यश यादव का नाम नीट यूजी पेपर लीक मामले की जांच के दौरान सामने आया था। इसके बाद जांच एजेंसियों ने उसे हिरासत में लिया था। फिलहाल मामले की जांच जारी है और एजेंसियां पूरे नेटवर्क की जांच कर रही हैं ताकि पेपर लीक से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके। अदालत ने यह भी माना कि बहन की शादी किसी भी व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण पारिवारिक अवसर होता है। इसलिए मानवीय आधार पर यश यादव को शादी समारोह में शामिल होने की अनुमति दी गई है। हालांकि उसे स्वतंत्र रूप से कहीं आने–जाने की छूट नहीं होगी और पुलिस सुरक्षा के बीच ही वह शादी में शामिल हो सकेगा। कोर्ट के इस फैसले ने शिक्षा के अधिकार और न्यायिक प्रक्रिया के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। अब यश यादव निर्धारित तिथि पर नीट यूजी की पुनर्परीक्षा देगा, जबकि जांच एजेंसियां पेपर लीक मामले की जांच आगे बढ़ाती रहेंगी। इस फैसले पर छात्रों, अभिभावकों और शिक्षा जगत की नजर बनी हुई है।

आधार के कथित दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

पहचान संबंधी व्यवस्था पर उठे सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। आधार कार्ड के कथित दुरुपयोग से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि विभिन्न सरकारी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में आधार कार्ड का उपयोग उसकी निर्धारित कानूनी सीमा से अधिक किया जा रहा है। याचिकाकर्ता का कहना है कि आधार कानून के अनुसार यह केवल पहचान का प्रमाण है, लेकिन कई जगहों पर इसे नागरिकता, निवास और पते के प्रमाण के रूप में भी स्वीकार किया जा रहा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए संबंधित पक्षों से विस्तृत जवाब तलब किया। याचिका में विशेष रूप से कहा गया है कि नए मतदाता पंजीकरण सहित कई सरकारी प्रक्रियाओं में आधार कार्ड को जन्मतिथि और पते के प्रमाण के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जो आधार अधिनियम और उससे जुड़े कानूनी प्रावधानों की भावना के विपरीत है।

अमेरिका के बाद रूस का बॉम्बर भी हुआ क्रश

साइबेरिया के जंगलों में गिरा रणनीतिक विमान

यूनिक समय, नई दिल्ली। रूस का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बॉम्बर विमान सोमवार को साइबेरिया के इरकुत्स्क क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे ने रूसी सैन्य विमानन व्यवस्था और विमानों की तकनीकी स्थिति को लेकर नई बहस छेड़ दी है। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार,मंगलवार–22एम3 बॉम्बर विमान नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था। उड़ान के दौरान अचानक तकनीकी खराबी आने से विमान का नियंत्रण बिगड़ गया और वह तेजी से नीचे गिरने लगा। कुछ ही क्षणों में विमान घने जंगलों वाले इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि इस घटना में सबसे राहत की बात यह रही कि विमान में सवार चारों चालक दल के सदस्य समय रहते सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। पायलट और अन्य क्रूसदस्यों ने इजेक्शन सिस्टम का उपयोग किया, जिसके कारण उनकी जान बच गई। अधिकारियों के अनुसार सभी को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किसी भी सदस्य की हालत गंभीर नहीं बताई गई है। दुर्घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वीडियो में विमान को तेजी से नीचे आते हुए देखा जा सकता है। कुछ ही सेकंड बाद वह जंगलों के बीच गिर जाता है और घटनास्थल से धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई देता है। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन, दमकल विभाग और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंच गईं। बचाव दल ने आग पर काबू पाने और पूरे इलाके को सुरक्षित बनाने का काम शुरू किया।इरकुत्स्क क्षेत्र के गवर्नर इगोर कोब्ज़ेव ने बताया कि विमान कामेन्का गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। प्रारंभिक जांच में इंजन की खराबी को दुर्घटना का संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि विशेषज्ञों की टीम मामले की विस्तृत जांच कर रही है और अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। मंगलवार–22एम3 रूस के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक बॉम्बर विमानों में गिना जाता है। सोवियत काल में विकसित इस विमान को नाटो देशों में "बैकफायर" नाम से जाना जाता है। यह लंबी दूरी तक हमला करने और आधुनिक मिसाइलों को ले जाने में सक्षम है। रूस ने सीरिया और यूक्रेन में अपने कई सैन्य अभियानों के दौरान भी इस विमान का इस्तेमाल किया है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की घटनाएं सैन्य विमानों के रखरखाव और सुरक्षा मानकों पर सवाल खड़े करती हैं। हाल ही में अमेरिका में भी एक बॉम्बर विमान दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर सामने आई थी। ऐसे में दुनिया की दो बड़ी सैन्य शक्तियों के रणनीतिक विमानों से जुड़े हादसे वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। फिलहाल रूसी रक्षा मंत्रालय दुर्घटना की गहन जांच में जुटा हुआ है।

राम मंदिर ट्रस्ट पर जमीन खरीद में अनियमितता के आरोप

संजय सिंह ने उठाए सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। अयोध्या। राम मंदिर निर्माण के लिए मिले चंदे के उपयोग को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर जमीन खरीद में अनियमितता और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि मंदिर निर्माण के लिए देशभर से प्राप्त दान राशि का उपयोग बाजार मूल्य से कई गुना अधिक कीमत पर जमीन खरीदने में किया गया। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में संजय सिंह ने कहा कि 2 अप्रैल 2024 को अयोध्या में 645 वर्ग मीटर नजूल भूमि की खरीद की गई थी। उनके अनुसार इस जमीन का वास्तविक मूल्य करीब 2.92 करोड़ रुपये था, जबकि इसे लगभग 24 करोड़ रुपये में खरीदा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सौदे में मंदिर को मिले चंदे के धन का इस्तेमाल किया गया, जिससे खरीद प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। संजय सिंह ने यह भी दावा किया कि 22 जुलाई 2024 को उपजिलाधिकारी स्तर पर यह स्पष्ट किया गया था कि संबंधित भूमि नजूल श्रेणी की है। उनका कहना है कि नजूल भूमि सरकारी संपत्ति होती है और इसके क्रय–विक्रय पर कानूनी प्रतिबंध होते हैं। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। इस बीच समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी ट्रस्ट के कामकाज पर सवाल उठाए हैं। वहीं राम मंदिर आंदोलन से जुड़े वरिष्ठ भाजपा नेता विनय कटियार ने भी दान राशि में कथित अनियमितताओं की जांच की आवश्यकता बताई है। आरोपों के बीच मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

सेना को मिलेगी लंबी दूरी की ताकत

120 किलोमीटर दूर दुश्मन पर सटीक वार करेगा पिनाका

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय सेना की आर्टिलरी क्षमता को और मजबूत बनाने की दिशा में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (सीईपी) द्वारा विकसित स्वदेशी पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट (सीईपी) जल्द सेना के बेड़े में शामिल किया जाएगा। सफल परीक्षणों और रक्षा अधिग्रहण परिषद (सीईपी) की मंजूरी के बाद इसकी खरीद और तैनाती की प्रक्रिया तेज हो गई है। यह कदम भारतीय सेना की लंबी दूरी तक सटीक हमला करने की क्षमता को नई मजबूती देगा। पिनाका छर्फ्फ की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लंबी दूरी तक सटीक मारक क्षमता है। यह रॉकेट 120 किलोमीटर दूर स्थित दुश्मन के ठिकानों को निशाना बनाने में सक्षम है। परीक्षणों के दौरान इसने केवल 2 से 3 मीटर के सर्कुलर एरर प्रोबेबल (सीईपी) के साथ लक्ष्य को भेदा, जिससे इसकी उच्च सटीकता साबित हुई। इसके शामिल होने से सेना सीमा पार स्थित बंकरों, कमांड सेंटरों, हथियार डिपो और सैनिक जमावड़ों जैसे महत्वपूर्ण ठिकानों पर दूर से प्रभावी कार्रवाई कर सकेगी। इस प्रणाली की एक और खासियत यह है कि इसे सेना के मौजूदा पिनाका लॉन्चरों से ही दागा जा सकता है। इसके लिए अलग लॉन्चर या अतिरिक्त वाहनों की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे संचालन और लॉजिस्टिक व्यवस्था आसान बनेगी।

रॉकेट लगभग 45 किलोमीटर की उंचाई तक पहुंचकर लक्ष्य की ओर प्रहार करता है, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों और छिपे हुए ठिकानों को भी निशाना बनाया जा सकता है। 110 किलोग्राम वारहेड क्षमता वाले इस रॉकेट में मिशन की जरूरत के अनुसार विभिन्न प्रकार के हथियार लगाए जा सकते हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रणाली भारतीय सेना की लंबी दूरी की मारक शक्ति को नई उंचाई देगी। साथ ही यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूती प्रदान करेगी और स्वदेशी रक्षा तकनीक के विकास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी।

किसानों ने गेहूं से भर दिए सरकारी गोदाम

बाजार से ज्यादा मूल्य होने पर सरकारी क्रय केंद्र पर बेचा गेहूं

लक्ष्य के सापेक्ष हुई 65 प्रतिशत खरीद, बीते साल से अच्छी खरीद

यूनिक समय, मथुरा। इस बार बाजार और मंडी से अधिक अच्छा भाव मिला तो किसानों ने गेहूं से सरकारी गोदाम भर दिए। 15 जून तक चली सरकारी खरीद के दौरान करीब आठ हजार किसानों ने सरकारी क्रय केंद्रों पर अपना गेहूं बेचा। इस बार लक्ष्य के सापेक्ष करीब 65 प्रतिशत से अधिक गेहूं खरीद का काम भी हो गया।

मार्च के आखिरी सप्ताह में खरीद करने के लिए जनपद में 88 क्रय केंद्र खोले गए थे। हालांकि खरीद का काम अप्रैल माह में हुआ। बारिश भी इस काम में बाधा बनीं। मई में तो खरीद में तेजी आई थी। शुरूआत में कई किसानों को बारदाना न होने के कारण कई दिनों तक क्रय केंद्र पर गेहूं बेचने के इंतजार भी करना पड़ा था। इसके बाद तो बंपर खरीद हुई। जिला खाद्य विपणन अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि किसानों से गेहूं खरीद प्रभावित न हो, इसके लिए पहले से ही पर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध करा दिया गया था।

एडीएम प्रशासन– खरीद के नोडल अधिकारी अमरेश कुमार ने बताया कि इस बार मथुरा के किसान सरकारी खरीद केंद्रों पर गेहूं बेचने को आए तो जिले में 65 प्रतिशत से अधिक खरीद हो गई। 7405 किसानों ने क्रय केंद्रों पर गेहूं बेचा, जिसके बदले उनको अब तक 8126 लाख रुपये का भुगतान किया जा सका है।

50,500 एमटी का था लक्ष्य, 8126 लाख का भुगतान

इस साल गेहूं खरीद 2025–26 के लिए शुरूआत में जनपद को गेहूं का लक्ष्य नहीं दिया गया था। अप्रैल के बाद विभाग को शासन ने 50,500 एमटी खरीद का लक्ष्य दिया। लक्ष्य के सापेक्ष करीब 65.22 प्रतिशत खरीद हुई है। खाद्य विपणन अधिकारी ने बताया कि 72 घंटे में खरीद का भुगतान करने का लक्ष्य है, शासन की तरफ से 8126 लाख का भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से अब तक किया जा चुका है।

पिछले साल के मुकाबले दोगुना हुई खरीद

पिछले साल का खरीद का डेटा बताता है कि इस बार दोगुने से अधिक किसान मंडी पहुंचे तो खरीद भी अधिक हुई है। पिछले साल 3115 किसानों से केवल 14785 एमटी की खरीद की गई थी। जबकि इस साल 7405 किसानों से 32934 एमटी खरीद की गई है।

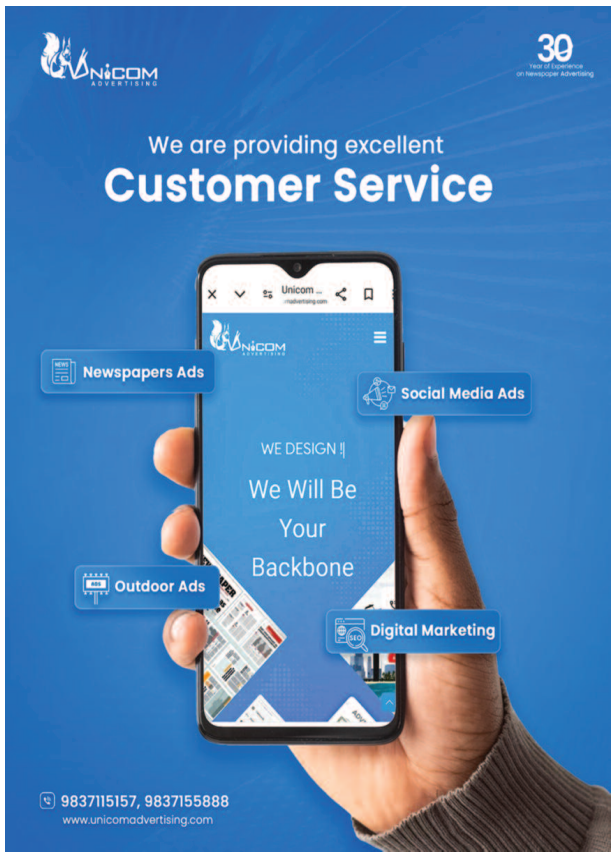

संभव दिवस में दो शिकायतों का समाधान

शिकायत सुनते नगर आयुक्त जग प्रवेश।

नगर आयुक्त ने तय समय में निस्तारण के दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन नगर निगम में मंगलवार को आयोजित संभव दिवस जनसुनवाई में नागरिकों ने समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। नगर आयुक्त जग प्रवेश की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई में कुल 10 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से दो का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देश जारी किए गए।

जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह सहित नगर निगम के सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। शिकायतों में अतिक्रमण, खराब स्ट्रीट लाइट, बिजली के खंभों पर केबल परिवर्तन, सफाई व्यवस्था, सीवर जाम, हैंडपंप रीबोरिंग, नए हैंडपंप लगाने और निर्माण कार्यों से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहे। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लंबित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए।

बेसिक स्कूलों की छुट्टियां बढ़ीं अब 25 से खुलेंगे विद्यालय

24 जून तक रहेगा ग्रीष्मकालीन अवकाश

22 से 24 जून तक स्कूलों की तैयारी में जुटेंगे शिक्षक

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक शिक्षा परिषद ने गर्मी को देखते हुए बड़ा फैसला लिया है। अब सभी परिषदीय और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में 24 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा। छात्र–छात्राओं के लिए स्कूल 25 जून से खुलेंगे और पढ़ाई शुरू होगी। पहले ग्रीष्मकालीन अवकाश 15 जून तक होता था, लेकिन तेज गर्मी और हीट वेव के कारण कई बार छुट्टियां बढ़ानी पड़ती थीं। इसी को ध्यान में रखते हुए अब अवकाश की अवधि बढ़ा दी गई है। विद्यालय खुलने से पहले 22, 23 और 24 जून को सभी शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और कर्मचारी स्कूल पहुंचकर जरूरी तैयारियां करेंगे। इस दौरान स्कूलों की साफ–सफाई, पेयजल व्यवस्था, शौचालयों की सफाई, मिड–डे मील की तैयारी, पाठ्य पुस्तकों की उपलब्धता और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं पूरी की जाएंगी, ताकि 25 जून को बच्चों के आने पर पढ़ाई सुचारु रूप से शुरू हो सके। आदेश में यह भी कहा गया है कि हर वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही यह तय किया जाएगा कि बच्चों की पढ़ाई के लिए वर्ष में निर्धारित 220 शिक्षण दिवस पूरे हों।

नाले में गिरी बाइक, जेसीबी बनी सहारा

यूनिक समय, नंदगांव। कस्बा के देवनगर में मंगलवार को नाले की सफाई के दौरान हादसा हो गया। रास्ता संकरा होने के कारण दो युवक मोटरसाइकिल सहित असंतुलित होकर नाले में गिर पड़े। मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया, लेकिन तत्काल बचाव के चलते दोनों युवकों को सुरक्षित निकाल लिया गया।

नगर पंचायत की ओर से जेसीबी मशीन से नाले की सफाई कराई जा रही थी। इसी दौरान दोनों बाइक सवार संकरे रास्ते से निकलने का प्रयास कर रहे थे। संतुलन बिगड़ने पर उनकी मोटरसाइकिल सीधे नाले में जा गिरी और दोनों युवक भी फंस गए। जानकारी पर नगर पंचायत के कर्मचारी सक्रिय हो गए। जेसीबी ऑपरेटर चंदन ने दोनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला।

एसएफ स्ट्रीट स्कूल के बच्चों दिया प्रसाद

सोमवती अमावस्या पर प्रसाद ग्रहण करते बच्चे।

यूनिक समय, मथुरा। स्ट्रेंजर फ्रेंड्स हेल्पिंग हैंड्स सोसायटी द्वारा संचालित एसएफ स्ट्रीट स्कूल में सोमवती अमावस्या पर बच्चों प्रसाद बाटा गया। प्रसाद खाते हुए बच्चों के चेहरों पर मुस्कान आ गई। संस्था संस्थापक पियूष बंसल ने बताया कि सोमवती अमावस्या भारतीय संस्कृति में अन्नदान को महादान माना गया है। इस दिन सेवा, दान और पुण्य कार्यों का विशेष फल प्राप्त होता है। संस्था अध्यक्ष शिखा बंसल ने कहा कि ऐसे धार्मिक अवसर हमें सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश देते हैं। बच्चों के बीच इस प्रकार के आयोजन उन्हें हमारी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। संस्था की वरिष्ठ सदस्य अंकिता शर्मा ने बताया कि एस.एफ. स्ट्रीट स्कूल में समय–समय पर सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके।

धड़ाम हुए हाथरस की हींग के दाम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, हाथरस। 'एक जिला एक उत्पाद' में शामिल यहां की बनी हींग का जायका दुनिया भर में मशहूर हो रहा है। खाद्य सामग्री में चुटकी भर हाथरस की हींग का उपयोग वह स्वाद बनाता है कि लोग इसके मुरीद हो जाते हैं। हींग की कीमतों में पिछले करीब एक साल में काफी गिरावट आई है।

हाथरस में हींग बनाने में उपयोग किया जाने वाला दूध (रेजिन) अफगानिस्तान, तजाकिस्तान, कजाकिस्तान और इराक आदि देशों से आता है। इस कच्चे माल का उपयोग करके हाथरस में ऐसी हींग बनाई जाती है जो भोजन को लजीज बना देती है। हाथरस में बनी हुई हींग जहां देश के कोने–कोने में जाती है, वहीं विदेशों में भी लोगों को इसका तड़का बहुत भाता है।

हाथरस जिले में हींग की एक दर्जन से अधिक बड़ी फैक्ट्रियां हैं। इसके अलावा जिले भर में कुटीर उद्योग के रूप में भी हींग का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। इस कारोबार से करीब दो से तीन हजार मजदूर जुड़े हुए हैं। जिले में हींग कारोबार का टर्नओवर 50 से 60 करोड़ रुपए प्रति वर्ष से अधिक का बताया जाता है।

हालांकि इस वक्त हींग की कीमतों काफी नीचे आ गई हैं। इसकी मुख्य वजह अफगानिस्तान में अधिक पैदावार होना है।

इसके अलावा अमेरिका–ईरान युद्ध के चलते पुराने स्टॉक की वजह से हींग के दामों में भारी गिरावट देखी जा रही है। जहां हाथरस में कुछ माह पहले नुकरा हींग के दाम 20 हजार रुपए प्रति किलो थे, वहीं अब यह घटकर करीब 15 हजार प्रति किलो हो गए हैं।

हींग दूध के दामों में भी कमी आई है। अफगानिस्तान, कजाकिस्तान, तजाकिस्तान से आने वाला हींग दूध जो कि 15 हजार रुपये के आसपास आता था, अब वह 9 हजार रुपए प्रति लीटर हो गया है। इसकी कीमतों में करीब 2 हजार से 3 हजार रुपये की गिरावट देखने को मिली है।

हींग निर्माता पारस हींग इंटरप्राइजेज के मालिक विशाल अग्रवाल ने बताया कि अमेरिका–ईरान युद्ध के कारण ईरान से आने वाली हींग के दामों में बढ़ोतरी देखने को मिली है, वहीं अफगानिस्तान, कजाकिस्तान और तजाकिस्तान से आने वाली हींग के दामों में काफी गिरावट आई है। नुकरा हींग के रेट में पिछले एक साल में प्रति किलोग्राम पर 4 से 5 हजार रुपये की गिरावट आ गई है।

उन्होंने बताया कि दाम घटने का एक मुख्य कारण यह भी है कि फसल ज्यादा हो रही है और एक हाईब्रीड हींग का उत्पादन भी बढ़ गया है। वह असली हींग को मार्केट में टक्कर दे रही है। इसके कारण रेट में काफी गिरावट आई है। इसके कारण हींग बाजार में काफी सस्ती हो गई है।

एसएसपी साहब.. देखिए एक और भ्रष्टाचार का मामला

प्रमुख संवाददाता

अब होमगार्ड जवान कर रहा है अवैध वसूली

यूनिक समय, वृंदावन। परिक्रमा मार्ग में एक होमगार्ड जवान की करतूत से हर कोई अवाक है। वह परिक्रमा मार्ग स्थित गौरी गोपाल आश्रम के निकट खड़ा होकर ई-रिक्शा चालकों को डरा-धमकाकर सुविधा शुल्क की वसूली करता है।

गौरतलब है कि एसएसपी श्लोक कुमार ने पिछले दिनों वृंदावन और छटीकरा में रिश्वत खोरी के आरोप में एक सिपाही को निलंबित किया, एक चौकी प्रभारी को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया था।

एसएसपी के ऐसे तेवर से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। इस बीच सोशल मीडिया में वायरल एक फोटो में खबर चल रही है कि होमगार्ड जवान परिक्रमा मार्ग स्थित गौरी गोपाल आश्रम के पास रोज खड़ा होकर ऑटो रिक्शा या फिर ई रिक्शा या फिर टेंपो चालक से एक हजार, 500, 200 और100 की हफ्ता वसूली करता हैं और ना देने पर ऑटो रिक्शा या फिर कोई भी हो, उसे गाली देता हैं । जब एक व्यक्ति गाली देते हुए और ई रिक्शा चालक से पैसे वसूलते हुए वीडियो बनाता है तो उसी का फोन लेने की कोशिश करता हैं और धमकी देने लगता हैं तो वीडियो किसको पूछ कर बनाया। अपना फोन मेरे पास जमा कर, लेकिन वह व्यक्ति नहीं देता है और सोशल मीडिया पर अपलोड कर देता।